डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.६२ आर.एन.आई.संख्या ४०३६७/८४ नेट संस्करण www awajdarpan.com पर पढें

साप्ताहिक

आवाज दर्पण

प्रत्येक रविवार

बस्ती (उ.प्र.) वर्ष ४९ अंक ०८ रविवार ११ फरवरी से १७ फरवरी २०२४ मूल्य तीन-रुपये

चौधरी चरण सिंह, नरसिम्हा राव एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न

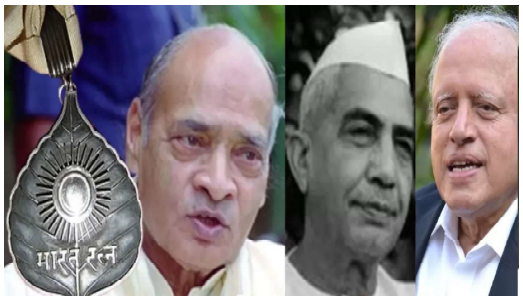

नई दिल्ली (आभा)। देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह पूर्व पीएम नरसिम्हा राव और हरित क्रांति के जनक डॉक्टर एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न दिया जाएगा। पीएम मोदी ने शुक्रवार को खुद ये बड़ा एलान किया है। पीएम ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। पीएम ने कहा कि यह सम्मान देश के लिए उनके अतुलनीय योगदान को समर्पित है।

पीएम मोदी ने शुक्रवार को बड़ा एलान किया है। एक ही दिन में देश की तीन हस्तियों को भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की गई है। पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह, नरसिम्हा राव और हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न मिलेगा।

पीएम मोदी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा है कि हमारी सरकार का यह सौभाग्य है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जा रहा है। यह सम्मान देश के लिए उनके अतुलनीय योगदान को समर्पित है। उन्होंने किसानों के अधिकार और उनके कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था।

उन्होंने ये भी लिखा कि वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हों या देश के गृहमंत्री और यहां तक कि एक विधायक के रूप में भी, उन्होंने हमेशा राष्ट्र निर्माण को गति प्रदान की। वे आपातकाल के विरोध में भी डटकर खड़े रहे। हमारे किसान भाई–बहनों के लिए उनका समर्पण भाव और इमरजेंसी के दौरान लोकतंत्र के लिए उनकी प्रतिबद्धता पूरे देश को प्रेरित करने वाली है। पीएम ने अपनी अगली पोस्ट में लिखा कि नरसिम्हा राव ने एक प्रतिष्ठित विद्वान और राजनेता के रूप में विभिन्न क्षमताओं में भारत की बड़े पैमाने पर सेवा की। पीएम ने ये भी लिखा कि प्रधानमंत्री के रूप में नरसिम्हा राव का कार्यकाल महत्वपूर्ण उपायों के लिए याद किया जाएगा। उनके कार्यकाल में भारत को वैश्विक बाजारों के लिए खोल दिया गया था, जिससे आर्थिक विकास के एक नए युग को बढ़ावा मिला। देश में हरित क्रांति के जनक कहने जाने वाले एमएस स्वामीनाथन को भी भारत रत्न देने का एलान किया गया है। पीएम ने पोस्ट में लिखा कि भारत सरकार कृषि और किसानों के कल्याण में हमारे देश में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. एमएस स्वामीनाथन जी को भारत रत्न से सम्मानित कर रही है। उन्होंने चुनौतीपूर्ण समय के दौरान भारत को कृषि में आत्मनिर्भरता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारतीय कृषि को आधुनिक बनाने की दिशा में उत्कृष्ट प्रयास किए।

विधायक अजय सिंह ने सदन में किया पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को भारत रत्न देने की मांग

संवाददाता–बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह ने सदन में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को भारत रत्न देने की मांग किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में लालकृष्ण आडवाणी, चौधरी चरण सिंह, स्वामीनाथन और नरसिम्हा राव को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा की सराहना करते हुए उन्होने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को भी भारत रत्न दिया जाना चाहिए। राज्य सरकार द्वारा पेश किए गए बजट की सराहना करते हुए विधायक ने सदन में कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के संकल्प को पूरा करने वाला है। 84 कोसी परिक्रमा के प्रारंभ स्थल जो भगवान श्रीराम का मूल है उसकी शानदार रोड बन रही है। मखौड़ा धाम से अयोध्या धाम तथा मखौड़ा धाम से श्रृंगीनारी के लिए राम अवतरण कॉरिडोर का प्रस्ताव करने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। विधायक अजय सिंह ने बताया कि राम मंदिर निर्माण और उत्तर प्रदेश में राष्ट्रवादी सरकार बनाने में बड़ी भूमिका स्व. कल्याण सिंह की रही है। करोड़ों लोगों की आस्था व विश्वास के प्रतीक राम मंदिर निर्माण में कारसेवकों पर गोली चलाने से मना कर यह साबित कर दिया कि कुर्सी और सत्ता से आस्था बड़ी होती है। वे एक लोकप्रिय, ओजस्वी और अनुकरणीय नेता थे इसलिए कल्याण सिंह को भारत रत्न दिया जाना चाहिए।

प्रमुख सचिव के बस्ती भ्रमण को लेकर तैयारियों में जुटा प्रशासन

संवाददाता–बस्ती । मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा का आगामी 12 फरवरी को जनपद बस्ती में भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित तैयारी बैठक में जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने उक्त जानकारी दिया। उन्होने बताया कि मुख्य सचिव दिनॉक 11 फरवरी रविवार सायंकाल को जनपद में आयेंगे। उन्होने बताया कि 12 फरवरी को प्रातः 09.30 बजे मण्डलीय अधिकारियों के साथ आयुक्त सभागार में समीक्षा बैठक करेंगे। यहॉ पर परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी करेंगे। 12 बजे से विकास खण्ड कप्तानगंज के बढनी मिश्र गॉव जायेंगे, विभिन्न विभागो के स्टाल का निरीक्षण करेंगे, लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करेंगे तथा ग्रामवासियों को सम्बोधित करेंगे।

उन्होने बताया कि 1.15 बजे से बंजरिया फार्म इण्डो इजराइल केन्द्र का निरीक्षण करेंगे, प्रशासनिक भवन, छात्रावास तथा मशरूम उत्पादकता केन्द्र का लोकार्पण करेंगे तथा किसानों से वार्ता करेंगे। 03 बजे से गढा गौतम ग्राम में ओडीओपी सेण्टर का निरीक्षण करेंगे। इसके पश्चात् मखौड़ाधाम में निरीक्षण करते हुए कार्यक्रम में शामिल होंगे।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी सौपते हुए कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने का निर्देश दिया है। बैठक में सीडीओ जयदेव सीएस, सीएमओ डा. रमाशंकर दुबे, एडीएम कमलेश चन्द्र, सीआरओ संजीव ओझा, डीडीओ संजय शर्मा, मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति, समस्त एसडीएम, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, ईओ नगरपालिका सत्येन्द्र सिंह, डीपीआरओ रतन कुमार, कृषि अधिकारी डा. राजमंगल चौधरी, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय, बीएसए अनूप तिवारी, पशु चिकित्साधिकारी, उद्यान अधिकारी धमेन्द्र चौधरी, क्षेत्राधिकारी पुलिस विनय चौहान, संबंधित बीडीओ सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

इमरान खान को 12 मामलों में मिली जमानत

लाहौर (आभा)। पाकिस्तान में आम चुनाव के ऐलान के बीच इमरान खान को बड़ी राहत मिली है। बीते साल सेना के ठिकानों पर हमले को लेकर उन्हें 12 मामलों में जमानत मिल गई है। इमरान खान के साथ ही उनके साथ विदेश मंत्री रहे शाह महमूद कुरैशी को भी राहत दी गई है। बता दें कि पाकिस्तान के चुनाव में जेल में रहते हुए भी इमरान खान के उम्मीदवारों का प्रदर्शन उम्दा रहा है। इमरान खान के समर्थकों ने निर्दलीय ही चुनाव लड़ा था। वहीं नवाज शरीफ ने सरकार बनाने का दावा पेश किया है। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि पीएमएल–एन और पीपीपी मिलकर सरकार बनाने को सहमत भी हो गए हैं।

बता दें कि बीते साल 9 मई को हुई हिंसा को लेकर इमरान खान समेत पीटीआई के कई अन्य नेताओं के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। दरअसल इस्लामाबाद में इमरान खान की गिरफ्तारी हो गई थी। इसके बाद उनके समर्थकों ने हिंसक प्रदर्शन शुरू कर दिया। इमरान के समर्थक रावलपिंडी में सेना के परिसर में घुस गए और जमकर तोड़फोड़ की। आरोप था कि इमरान खान के जमन पार्क स्थित आवास के बाहर पुलिसकर्मियों के साथ बदसलूकी की गई। इसके अलावा लाहौर के पुलिस थाने पर भी हमला किया गया।

हिंसा के बाद इमरान खान के 100 से ज्यादा समर्थकों को गिरफ्तार किया गया था। वहीं 2022 में इमरान खान की सरकार गिर गई थी।

सीधा साधा सच्चा लिख,जो भी लिख, पर पक्का लिख।
मत लिख इनके–उनके जैसा, केवल अपने जैसा लिख।।
– बालसोम गौतम

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84

साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

5 हस्तियों को भारत रत्न

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ट्वीट करके तीन हस्तियों को भारत रत्न दिए जाने का एलान किया। इनमें किसान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन शामिल हैं। इससे पहले 23 जनवरी को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर और 3 फरवरी को देश के पूर्व–उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने का एलान हो चुका है।

चुनावी साल में एक के बाद एक पांच हस्तियों को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिए जाने के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। सियासी जानकार कह रहे हैं कि इससे मोदी सरकार ने अलग–अलग राज्यों में कई समीकरण साध लिए हैं। चौधरी चरण सिंह की किसानों के मसीहा के रूप में पहचान रही है। अगले लोकसभा चुनाव में पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के जाट बहुल सीटों पर चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने का असर पड़ सकता है। इन इलाकों की करीब 40 लोकसभा सीटें ऐसी हैं, जहां जाट मतदाताओं का असर माना जाता है। चौधरी चरण सिंह के पोते और राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी की भाजपा के साथ जाने की अटकलें पिछले कई दिनों से लग रही हैं। चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने के बाद जयंत ने ट्वीट किया, 'दिल जीत लिया।' जयंत चौधरी अगर भाजपा के साथ जाते हैं तो पश्चिम उत्तर प्रदेश में भाजपा को काफी फायदा हो सकता है।

विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि प्रधानमंत्री मोदी प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की हमेशा आलोचना करते हैं और कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्रियों के प्रति उनका रवैया आलोचनात्मक है। एक दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह की प्रशंसा की थी और कहा था कि वे व्हीलचेयर पर भी सदन में आते रहे और लोकतंत्र को ताकत देते रहे। अगले ही दिन नरसिम्हा राव को भारत रत्न देने का एलान हो गया। नरसिम्हा राव को मरणोपरांत भारत रत्न देने का एलान विपक्ष को करारा जवाब इसलिए भी है, क्योंकि भाजपा लगातार यह आरोप लगाती रही है कि कांग्रेस ने बतौर प्रधानमंत्री राव के योगदान को हमेशा नजरअंदाज किया। यहां तक कि मोदी के कट्टर आलोचक मणिशंकर अय्यर ने तो एक बार राव को भाजपा का पहला प्रधानमंत्री तक करार दे दिया था।

बतौर वैज्ञानिक उनकी बेमिसाल उपलब्धियां रही हैं। इसके अलावा उनकी शख्सियत दक्षिण भारत के प्रतिभावान लोगों का भी प्रतिनिधित्व करती रही है। स्वामीनाथन को मरणोपरांत भारत रत्न देने से दक्षिण को साधने की मोदी सरकार की रणनीति को और मजबूती मिल सकती है। स्वामीनाथन कृषि क्रांति के जनक थे। उन्हें भारत रत्न देने से दक्षिण के साथ ही भाजपा की किसानों को साधने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। लालकृष्ण आडवाणी भाजपा के कद्दावर नेता और राम मंदिर आंदोलन का बड़ा चेहरा रहे हैं। 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद आडवाणी को भारत रत्न देकर भाजपा ने अपने मतदाताओं को एक तरह से संदेश दिया। भाजपा पर मंदिर आदोलन के बड़े चेहरों में शामिल आडवाणी की उपेक्षा के आरोप लग रहे थे। जब मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई तब भी यह मुद्दा विपक्ष ने उठाया। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के 10 दिन के अंदर आडवाणी को भारत रत्न देकर भाजपा ने विपक्ष से यह मुद्दा छीन लिया। इसके साथ ही उसने अपने परंपरागत मतदाताओं को भी यह संदेश दिया कि वह अपने वरिष्ठ नेताओं का कितना सम्मान करती है। इस साल सबसे पहले जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की गई। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सामाजिक न्याय के नायक थे। जानकारों का कहना है कि केंद्र के इस कदम से आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए मदद मिल सकती है। बिहार में 27 प्रतिशत पिछड़ा और 36 प्रतिशत अति पिछड़ा वर्ग की हिस्सेदारी है। कुल मिलाकर 63: की भागीदारी वाले समाज पर कर्पूरी ठाकुर का बहुत बड़ा प्रभाव है। यह वर्ग उन्हें अपने नायक के तौर पर देखता है।

कर्पूरी ठाकुर के बेटे रामनाथ ठाकुर जदयू के राज्यसभा सांसद हैं। कर्पूरी को भारत रत्न मिलने के आठ दिन बाद ही भाजपा और जदयू एक बार फिर साथ आ गए। चिराग पासवान, पशुपति कुमार और जीतन राम मांझी की पार्टियां पहले से एनडीए की साझेदार थीं।

ऐसे में नए सियासी समीकरणों आधार पर बिहार में भाजपा खुद को काफी मजबूत मान रही है।

क्या मेनका, वरूण का टिकट काटेगी भाजपा

–अजय कुमार–

भारतीय जनता पार्टी देश को कांग्रेस मुक्त भले नहीं कर पाई हो लेकिन उत्तर प्रदेश को गांधी मुक्त बनाने की और उसके कदम तेजी से बढ़ रहे हैं। बीजेपी नेताओं को लगता है कि ऐसा मोदी–योगी के कुशल नेतृत्व में होने जा रहा है। ऐसा कैसे होगा? यह समझना मुश्किल नहीं है। एक तरफ इस बात की प्रबल संभावना है कि बीजेपी के लिये लगातार मुसीबत साबित हो रहे राहुल गांधी के चचेरे भाई और पीलीभीत के सांसद वरुण गांधी का टिकट कट सकता है, वहीं उनकी माता मेनका गांधी को उम्र दराज होने के कारण लोकसभा से साइड लाइन करने की तैयारी की जा रही है। मेनका गांधी और वरूण गांधी अब बीजेपी के लिये अनुपयोगी हो गये हैं। बीजेपी इन दोनों नेताओं को यह सोच कर पार्टी में लाई थी कि वरूण गांधी के जरिये वह सोनिया और राहुल गांधी को सियासी आईना दिखायेंगे, लेकिन ऐसा तो हुआ नहीं उलटे वरूण गांधी बीजेपी और पीएम मोदी के लिए ही सिरदर्द बन गये। पूरे कार्यकाल के दौरान वरूण गांधी केन्द्र की मोदी सरकार के कामकाज की आलोचना में लगे रहे, जबकि राहुल गांधी के खिलाफ मुंह तक नहीं खोला। इसी के चलते वरूण का टिकट कटना तय है। यदि ऐसा हुआ तो बीजपी गांधी मुक्त हो जायेगी।

बात प्रदेश को गांधी मुक्त करने की कि जाये तो आज की तारीख में यूपी में कांग्रेस सिर्फ रायबरेली में दिखाई दे रही है। बाकी जगह वह सिमट चुकी है। राहुल गांधी को तो 2019 में ही बीजेपी ने अमेठी से हार का स्वाद चखा कर, ना केवल अमेठी बल्कि प्रदेश से बाहर कर दिया है। अब बीजेपी की मंशा रायबरेली को सोनिया मुक्त करने की है। इसके लिए पिछले पांच सालों में बीजेपी ने सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली में काफी मेहनत की है। बीजेपी को जिसका फल आगामी लोकसभा चुनाव में मिलता दिख रहा है। रायबरेली में सोनिया गांधी की स्थिति अब उतनी मजबूत नहीं रह गई है जितनी पहले हुआ करती थी। यहां से प्रियंका वाड्रा के भी चुनाव लड़ने की चर्चा चल रही है। बीजेपी दोनों ही दशा में गांधी परिवार से मुकाबला करने के लिए कमर कसे हुए है। बीजेपी रायबरेली में कांग्रेस की उन दोनों संभावनाओं को खत्म कर देना चाहती है जिसके अनुसार रायबरेली में सोनिया गांधी की जगह प्रियंका वाड्रा को चुनाव लड़ाये जाने की चर्चा राजनीति के गलियारों में चल रही है। बीजेपी सोनिया गांधी या प्रियंका वाड्रा दोनों को ही अब यहां पर पैर जमाये रखने का मौका नहीं देना चाहती है। दरअसल, प्रियंका वाड्रा ने 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश से भले ही अपने को समेट लिया हो लेकिन रायबरेली में उनकी राजनीतिक गतिविधियां जारी हैं, इसीलिए राजनीति के जानकार प्रियंका वाड्रा के रायबरेली से चुनाव लड़ने की संभावनाओं से इंकार नहीं करते हैं। यदि सोनिया गांधी राजनीतिक दबाव के चलते रायबरेली से चुनाव लड़ती हैं तो प्रियंका वाड्रा के लिए अमेठी दूसरी सबसे सुरक्षित सीट रह सकती है, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि यहां से राहुल गांधी के चुनाव हारने के बाद मौजूदा सांसद स्मृति ईरानी ने काफी मेहनत की है। इसलिए हाल फिलहाल राहुल गांधी की तो दाल अमेठी में नहीं गलती दिखाई दे रही है वहीं प्रियंका वाड्रा को भी यहां से चुनाव लड़ने से पहले सौ बार सोचना होगा। अमेठी की सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि 48 सालों तक उत्तर प्रदेश की अमेठी विकास से वंचित रही, जबकि लोकसभा में इसका प्रतिनिधित्व गांधी परिवार के लोग करते रहे थे। स्मृति ईरानी ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद ही इस संसदीय क्षेत्र का विकास होना शुरू हुआ। ईरानी ने कहा कि राजमोहन गांधी ने गांधी परिवार के खिलाफ चुनाव लड़ा था और उन्हें गांधी परिवार के खिलाफ लड़ने के लिए नकली गांधी बुलाया गया था। मेनका गांधी और शरद यादव को भी अपमानित किया गया था। शरद यादव से कहा गया कि वह जाकर गाय चराएं। कुल मिलाकर लोकसभा चुनाव में यदि अमेठी के बाद रायबरेली में भी गांधी परिवार का उम्मीदवार हार जाता है तो यूपी पूरी तरह से गांधी परिवार मुक्त हो जाएगा। सोनिया की हार की संभावनाओं से इसलिए इंकार नहीं किया जाता क्योंकि पिछले 5 सालों से वह रायबरेली से पूरी तरह से कटी हुई हैं, जबकि भाजपा ने यहां काफी मेहनत की है। बात अमेठी और रायबरेली से आगे की कि जाये तो बीजेपी का सबसे अधिक फोकस यूपी पर ही है। मिशन 80 को पूरा करने के लिए बीजेपी लगातार प्लान बना रही है। माना जा रहा है कि बीजेपी करीब डेढ़ दर्जन सांसदों के टिकट काट सकती है वहीं जातीय समीकरणों को देखते हुए कई नए चेहरों पर भी मंथन किया जा रहा है। इसी के साथ यूपी की हारी सीटों को लेकर भी बीजेपी ने अहम रणनीति बनाई है। यूपी में जिन सीटों पर नए चेहरों को लेकर चर्चा है उनमें पहला नाम सहारनपुर का है जहां से बीजेपी के राघव लखनपाल की जगह नए चेहरे को मौका दिया जा सकता है। इसके साथ ही बिजनौर सीट पर कुंवर भारतेंद्र सिंह की जगह नया जाट चेहरा आगे किया जा सकता है। नगीना सीट से यशवंत सिंह की टिकट पर सस्पेंस है। मुरादाबाद से कुंवर सर्वेश कुमार की जगह नया चेहरा संभव है। संभल सीट से परमेश्वर लाल सैनी की टिकट पर और अमरोहा से कंवर सिंह तंवर की टिकट पर संशय है। इसी तरह से मैनपुरी से प्रेम सिंह शाक्य की जगह नया उम्मीदवार उतारा जा सकता है। वहीं रायबरेली से दिनेश प्रताप सिंह और अंबेडकर नगर से मुकुट बिहारी वर्मा, श्रावस्ती से दद्दन मिश्रा, लालगंज से नीलम सोनकर, घोसी से हरिनारायण राजभर का टिकट कट सकता है। उधर गाजीपुर से 2019 में बीजेपी की तरफ से लोकसभा प्रत्याशी रहे मनोज सिन्हा की जगह सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी को सीट दी जा सकती है। जौनपुर से कृष्ण प्रताप सिंह की जगह निषाद पार्टी के प्रत्याशी को यहां से लड़ाया जा सकता है। यह वह बीजेपी नेता हैं जो 2019 में लोकसभा चुनाव जीत नहीं सके थे। बात भाजपा के मौजूदा सांसदों, जिनका टिकट कटने की उम्मीद है उनकी की जाये तो उसमें कानपुर से सत्यदेव पचौरी (76 साल), बहराइच से अक्षयवर लाल (77), बाराबंकी से उपेंद्र सिंह, गाजियाबाद से जनरल वीके सिंह (73), मेरठ से राजेंद्र अग्रवाल (73), हाथरस से राजवीर दिलेर, मथुरा से हेमामालिनी (75), बरेली से संतोष गंगवार (75), फिरोजाबाद से चंद्रसेन जादौन (73) का और कैसरगंज से बृजभूषण शरण सिंह, लखीमपुर खीरी से अजय मिश्र टेनी, पीलीभीत से वरुण गांधी, सुल्तानपुर से मेनका गांधी और बदायूं से सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्या की बेटी संघमित्रा मौर्य का भी टिकट कटना तय लग रहा है। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की राजनीति की सबसे बड़ी अहमियत होती है, क्योंकि यूपी में बाकी राज्यों के मुकाबले सबसे अधिक 80 सीटें हैं। साल 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में यूपी में किस पार्टी ने कितनी सीटें जीती थी कि बात की जाये तो 2019 में यूपी की 80 सीटों पर हुए चुनाव में एनडीए ने सर्वाधिक सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस चुनाव में एनडीए में बीजेपी और अपना दल (एस) एक साथ मिलकर लड़े थे और एनडीए का 51.19 प्रतिशत वोट शेयर रहा था। जिसमें बीजेपी के खाते में 49.98 प्रतिशत और अपना दल (एस) को 1.21 प्रतिशत वोट शेयर मिला था। वहीं महगठबंधन (बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल) को 39.23 प्रतिशत वोट शेयर मिला था। जिसमें बसपा को 19.43 प्रतिशत, सपा को 18.11 प्रतिशत और रालोद को 1.69 प्रतिशत वोट मिला था। इसके अलावा कांग्रेस को इस चुनाव में 6.36 वोट शेयर मिला था।

रालोद शुरू करेगी सियासत की नई पारी

लखनऊ (आभा)। रालोद के एनडीए में शामिल होने की चर्चाओं पर विराम लगता दिखाई दे रहा है। गठबंधन के लिए भाजपा के साथ रालोद के बातचीत अब अंतिम दौर में मानी जा रही है। रालोद के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह के जन्म दिवस पर बड़ी घोषणा हो सकती है। ऐसे संकेत रालोद की तरफ से मिलने लगे हैं। गुरुवार को रालोद नेताओं के सुर बदले नजर आए।

चौधरी अजित सिंह का जन्म दिवस 12 फरवरी को है। सियासी हलकों की चर्चा के मुताबिक इस तिथि के आसपास ही रालोद के एनडीए में जाने की औपचारिक घोषणा हो सकती है। फिलहाल 12 फरवरी को प्रस्तावित छपरौली में अजित सिंह की आदमकद प्रतिमा के लोकार्पण का कार्यक्रम टाल दिया गया है। उम्मीद की जा रही है कि अब नई राजीतिक बेला और समीकरणों के साथ यह कार्यक्रम होगा। यहीं से रालोद का चुनावी शंखनाद भी होगा। उधर, नौ फरवरी तक संसद का सत्र समाप्त होने के साथ यूपी विधानमंडल का सत्र भी 10 फरवरी को समाप्त हो जाने की संभावना है। ऐसे में पार्टी नेताओं का मानना है कि 12 फरवरी या उसके आसपास ही कोई घोषणा होगी। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा और रालोद के बीच सीटों पर वार्ता अंतिम दौर में मानी जा रही है। रालोद की तरफ से छह सीटों का प्रस्ताव है।

चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिये जाने पर प्रसन्नता

संवाददाता–बस्ती। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भी भारत रत्न दिये जाने की घोषणा से प्रसन्नता की लहर है। शुक्रवार को राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल के संयोजन में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर खुशियों को साझा किया।

रालोद नेता अरूणेन्द्र पटेल ने कहा कि पार्टी द्वारा लम्बे समय से पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भी भारत रत्न दिये जाने की मांग किया जा रहा था। केन्द्र की सरकार ने इसे समझा और देश के बड़े किसान नेता को मरणोपरान्त भारत रत्न देकर नेक कार्य किया है। कहा कि यह देश कृषि प्रधान है और किसानों और उनके लिये संघर्ष करने वालों को सम्मान मिलना ही चाहिये। देर से ही सही सरकार ने उचित निर्णय लेकर रालोद कार्यकर्ताओं का दिल जीत लिया है।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भी भारत रत्न दिये जाने प्रसन्नता व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से ओम प्रकाश चौधरी, रामजी चौधरी, सियाराम वर्मा, इन्द्र बहादुर यादव, परमात्मा चौधरी एडवोकेट, विवेक श्रीवास्तव, लल्लन चौधरी, प्रदीप चौधरी, दूधनाथ पटेल, के साथ ही रालोद के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

नगर पंचायत नगर में विवेकाधीन कोष की स्थापना

संवाददाता–बस्ती। नगर देश की पहली ऐसी नगर पंचायत बन गई है जहां नगर पंचायत अध्यक्ष विवेकाधीन कोष स्थापित किया गया है। अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने सरकार से प्रतिमाह मिलने वाले पंद्रह हजार रुपए शिष्टाचार व्यय को दुर्घटना पीड़ितों और जरूरतमंदों के सहायतार्थ खर्च करने का निर्णय लिया है। नगर पंचायत कार्यालय पर आज इस योजना का उद्घाटन करते हुए श्रीमती राना ने बताया कि अब क्षेत्र में दुर्घटना में घायल पीड़ितों तथा असहायों को इस कोष से आर्थिक मदद दी जाएगी। उन्होंने बताया कि बहादुरपुर की प्रमुख रहते हुए उन्होंने ब्लाक प्रमुख विवेकाधीन कोष स्थापित कर गरीबों को लाभान्वित किया था ।

श्रीमती राना ने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक नगर में विवेकाधीन कोष का खाता खोल दिया गया है और शिष्टाचार व्यय के धन का चेक सीधे बैंक में जमा होगा। उन्होंने बताया कि जरूरतमंदों को चेक द्वारा ही अहेतुक सहायता दी जाएगी, इसमें नकद लेनदेन नही होने से पारदर्शिता बनी रहेगी।

पूर्व ब्लाक प्रमुख भाजपा नेता राना दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि जिला पंचायत सदस्य और ब्लाक प्रमुख चुने जाने के बाद मैने विवेकाधीन की स्थापना कर भारत में एक अनूठा प्रयोग किया था।

प्रसन्नता की बात है कि जनहित में नीलम सिंह राना भी इस परम्परा को आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने नगर पंचायत नगर को देश का एक मॉडल नगर पंचायत बनाने में सभी से सहयोग की अपील किया।अधिशाषी अधिकारी कीर्ति सिंह ने इसे ऐतिहासिक कदम बताया।

इस अवसर पर सभासद राजेश पाण्डेय,विजय जायसवाल, राज कुमार चौधरी,राम सजन यादव, बिंदुलाल, तुलसीराम, अखिलेश यादव,विजय सहनी, दिनेश चौरसिया, बिरेंद्र कुमार, संदीप कुमार, संजय सोनकर, सत्यराम निषाद, राजेश त्रिपाठी,विजय श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नेत्र परीक्षण शिविर में 50 का उपचार

संवाददाता–बस्ती। शाम्बिका मेडिकल हाल बस्ती की ओर से प्रेस क्लब सभागार में निःशुल्क नेत्र परीक्षण व परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। मेडिकल हाल के संस्थापक व समाजसेवी अपूर्व शुक्ल ने बताया कि शिविर में करीब 50 लोगों ने नेत्र परीक्षण करवाया और चिकित्सक से परामर्श लिया। इनमे अधिकांश लोग मीडिया से जुड़े थे। उन्होने कहा मेडिकल हाल की ओर से प्रायः ऐसे शिविर आयोजित किये जाते हैं।

परीक्षण के उपरान्त चिकित्सक के परामर्श से निःशुल्क दवाइयां भी प्रदान की जाती हैं। आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा। अपूर्व ने कहा पत्रकार अपने कार्य में इतना व्यस्त रहता है कि उसे अपने और परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान कम रहता है, ऐसे में शिविर ज्यादा प्रासंगिक रहा। उन्होने शिविर में योगदान देने वाले डा. अहमद अली, डा. विनय कुमार, हौसिला पासवान, अरवील अहमद, रंजन मिश्र, सोराब आदि के प्रति हृदय से आभार ज्ञापित किया।

डा. अहमद अली ने कहा आखें बेशकीमती है, इनके सेहत का हर किसी को ध्यान रखना चाहिये। दृष्टि दोषों की अनदेखी से कई बार लोग आखों की ज्योति खो देते हैं और जिंदगी बेरंग हो जाती है। परीक्षण कराने वालों में प्रमुख रूप से प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपध्याय, प्रदीप चन्द पाण्डेय, अशोक श्रीवास्तव, राजकुमार पाण्डेय, महेन्द्र तिवारी, राजेश पाण्डेय, राकेश चन्द्र, संदीप गोयल, देवेन्द्र पाण्डेय, लाल प्रसाद यादव, भूपेन्द्र यादव, रजनीश त्रिपाठी, राकेश गिरि, सुनील मिश्र, वशिष्ठ पाण्डेय, अश्वनी शुक्ल, अजय कुमार, अमर सोनी, कपीश मिश्रा, मनोज यादव, दिनेश पाण्डेय, महेन्द्र सिंह, लवकुश यादव, लवकुश सिंह आदि शामिल रहे।

आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की बैठक 11 को

संवाददाता–बस्ती। महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ शाखा बस्ती की जिलाध्यक्ष रतनबाला श्रीवास्तव ने बताया कि संघ के जिला कार्यकारिणी की बैठक 11 फरवरी रविवार को बैरिहवा स्थिति संघ कार्यालय पर होगी जिसमें जिला एवं परियोजना स्तरीय संघ पदाधिकारी भाग लेंगे। एक विज्ञप्ति के माध्यम से उन्होंने बताया कि बैठक में संघ के जिला कार्यकारिणी समिति के चुनाव हेतु सम्मेलन की तिथि तय करने, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओ की समस्याओं, शोषण उत्पीड़न, विभाग द्वारा पुनः नया मोबाइल फोन एवं इन्टरनेट की धनराशि उपलब्ध कराने, लोकसभा चुनाव में आंगनवाड़ी कर्मियों की भूमिका तय करने, कोटेदारों द्वारा बच्चों का खाद्यान्न हडपने, संघ के विस्तार, 2012 के बाद आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं की एवं सुपरवाइजर, सीडीपीओ, लिपिक के भारी संख्या में रिक्त पदों पर नई भर्ती न होने से उत्पन्न कठिनाइयो आदि पर विचार–विमर्श किया जायेगा।

मौनी अमावस्या पर लाखों श्रद्धालुओं ने किया स्नान दर्शन पूजन

संवाददाता–अयोध्या। श्री राम की राजधानी अयोध्या में मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब सुबह 4 बजे से ही लाखों श्रद्धालुओं जय श्री राम के जयकारे के साथ मां सरयू में स्नान करने लगे और स्नान के उपरांत गरीबों को दान दक्षिणा देकर के पूर्ण अर्जित किए। सनातन परंपरा के अनुसार उदया तिथि ही मुख्यतिथि मानी जाती है इसलिए शुक्रवार की सुबह श्रद्धालुओं ने मां सरयू में स्नान कर दान पुण्य अर्जित किए। स्नान के उपरांत मां सरयू के तट पर स्थित सिद्ध पीठ नागेश्वर नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया उसके उपरांत हनुमानगढ़ी कनक भवन और श्री राम लला का दर्शन पूजन किए पूरे दिन अयोध्या में श्रद्धालुओं का ताता लगा रहा और तीर्थराज प्रयाग से स्नान कर लौटने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ शनिवार व रविवार को भी रहेगी क्योंकि ऐसी मान्यता है की तीर्थराज प्रयाग संगम में स्नान के बाद श्रद्धालु अयोध्या आते हैं मां सरयू में स्नान करते हैं और नागेश्वर नाथ महादेव का जलाभिषेक करते हैं उसके बाद हनुमानगढ़ी कनक भवन और श्रीरामलला का दर्शन पूजन भी करते हैं। प्राण प्रतिष्ठा के बाद जहां प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु श्री राम लला का दर्शन पूजन कर रहे हैं स्नार्थियों की संख्या में मौनी अमावस्या को देखते हुए और बढ़ाने की संभावना है और यह हनुमान लगाया जा रहा है की 5 दिन तक लगभग 3 लाख के आसपास श्रद्धालु दर्शन करेंगे।

अयोध्या में भव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हो गई है, इसके कारण अयोध्या में पढ़ने वाले प्रत्येक तीज त्यौहार को श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है और आने वाले समय में यह संख्या निरंतर बढ़ती ही रहेगी। वही उत्तर प्रदेश सरकार मौनी अमावस्या को राज्य मेले का दर्जा दे चुका है जिससे प्रशासनिक व्यवस्था चुस्त दुरुस्त है। जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के आवागमन को देखते हुए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है नया घाट बंधा तिराहा से फोरलेन तक श्रद्धालुओं के वाहन के लिए पार्किंग की व्यवस्था बनाई गई है चौराहों की राह पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात है जिससे कोई अप्रिय घटना न घट सके और श्रद्धालु शांतिपूर्वक मां सरयू में स्नान करके नागेश्वरनाथ कनक भवन हनुमानगढ़ी श्री राम लला का दर्शन पूजन कर सके और अपने घर को लौट सकें।

नारायणी और बांसी नदी में हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

संवाददाता–कुशीनगर। मौनी अमावस्या के अवसर पर शुक्रवार को हजारों श्रद्धालुओं ने जिले के विभिन्न नदियों व घाटों पर स्नान–दान किया। नारायणी और बांसी नदी के तट पर श्रद्धालुओ की कभी भीड़ उमड़ी। आस्था की डुबकी लगाने के लिए एक दिन पहले से ही पहुंच गए थे। खड्डा के छितौनी–बगहा रेल पुल के नीचे मां नारायणी सामाजिक कुंभ पर तीन दिवसीय मेला लगा हुआ है। मौनी अमावस्या के दिन यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की गईं हैं। घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। छितौनी–बगहा रेल पुल के नीचे नारायणी तट के सामाजिक कुंभ स्थल पर शुक्रवार को मौनी अमावस्या पर स्नान मेला लगा। शुक्रवार की भोर में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पवित्र नारायणी नदी में आस्था की डुबकी लगाई। मां नारायणी सामाजिक कुंभ स्थल के संयोजक मनोज पांडेय ने बताया कि सामाजिक कुंभ स्थल पर पिछले सात वर्षों से तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है। मौनी अमावस्या से एक दिन पहले ही श्रद्धालु यहां पहुंचने लगते हैं। इस बार भी गुरुवार की शाम से ही श्रद्धालुओं का जमावड़ा होने लगा। श्रद्धालुओं के रहने व खाने–पीने की व्यवस्था मां नारायणी सामाजिक कुंभ के कार्यकर्ताओं द्वारा की गई है।

इंस्टाग्राम से हुआ प्यार यूपीएससी परीक्षा में चयनित बताकर महिला पुलिसकर्मी से रचाई शादी, गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। जिले के रहने वाले एक युवक ने प्रदेश की राजधानी में तैनात एक महिला पुलिस कर्मी से इंस्टाग्राम पर दोस्ती किया। उसके बाद उसने कहा कि उसका सिलेक्शन यूपीएससी में हो गया है। ऐसा झांसा देकर उसने महिला पुलिसकर्मी से शादी रचा लिया। शादी करने के बाद तरह–तरह से मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न करने लगा। यहां तक की उसके तैनाती स्थल पर भी जाकर झगड़ा लड़ाई किया। इसी बवाल को लेकर वह निलंबित हो गई। बात आत्महत्या तक पहुंचने के बाद उसने इसकी शिकायत पुलिस थाने में किया। इसके बाद आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। लखनऊ में तैनात एक महिला सिपाही की इंस्टाग्राम पर गोंडा जिले के रहने वाले युवक से दोस्ती हो गई। दोस्ती इतना परवान चढ़ी की दोनों में प्यार का इजहार होने लगा। इसके बाद जालसाज युवक ने महिला सिपाही को बताया कि उसका सिलेक्शन यूपीएससी में हो गया है। इसके बाद दोनों ने शादी कर लिया।

महिला सिपाही ने पुलिस को दिए गए तहरीर में आरोप लगाया है कि इंस्टाग्राम पर बातचीत के दौरान कहां की उसका चयन यूपीएससी–2023 के मेंस में हो गया है। जिसका साक्षात्कार फरवरी–2024 में होना बताया। मैं तुमसे शादी करना चाहता हूँ। आरोपी विजय सिंह ने प्रार्थिनी को यूपीएससी मेंस का रोल नम्बर तथा अखबार की कटिंग की कटिंग दिखाई। जो पूर्णतया एडिट (फर्जी) निकली। अपने घर वालों को भी झूठ बोलकर अपने घर में खुशियाँ मनाते हुए पटाखे तथा फायरिंग का वीडियो मुझे दिखाया। इसके बाद युवक महिला सिपाही से मिलने के लिए लखनऊ उसके कमरे पर पहुंच गया। उसने पीड़िता से कहा कि तुम उससे शादी कर लो वरना मेरे घर वाले यूपीएससी में चयन होने पर तुमसे शादी नहीं होने देंगे। क्योंकि प्रार्थिनी एक मामूली कांस्टेवल है। प्रार्थिनी ने जब उसकी सच्चाई जानने की कोशिश की तो प्रार्थिनी को चाकू एवं कट्टा दिखाकर डरा कर शारीरिक सम्बन्ध बनाने लगा। प्रार्थिनी लोक–समाज के डर से डर गयी। अन्दर ही अन्दर घुटती रही। प्रार्थिनी के साथ कई बार मारपीट की तथा प्रार्थिनी के भाई, मम्मी–पापा को मारने की धमकी देने लगा तथा जोर–जबरदस्ती से शादी करने का दबाव बनाने लगा।

प्रार्थिनी अपने घर वालों एवं खुद की हत्या की डर से तथा प्रार्थिनी को इतना मानसिक प्रताड़ित किया कि प्रार्थिनी डर गई। उसके बहकावे में आ गई। इसके बाद उसने फर्जी तरीके से लखनऊ से विवाह पंजीकरण कर लिया। प्रार्थिनी एवं उसके घर वालों को झूठे मुकदमों में फंसवाने की धमकी देता रहा। जिससे प्रार्थिनी अपनी नौकरी खोने के डर से बहुत घबरा गई। प्रार्थिनी को लगातार मानसिक प्रताड़ित करने लगा तथा किसी को बताने पर यह भी कहने लगा कि अगर तुमने पुलिस प्रशासन में शिकायत की तो मैं आत्महत्या कर लूँगा। जिससे तुम फंस जाओगी। और मेरे घर वाले बदमास किस्म के हैं। वह तुम्हें और तुम्हारे परिवार वालों को मार देंगे। जिसके डर से प्रार्थिनी और ज्यादा घबरा गई। जिससे प्रार्थिनी की मानसिक हालात बिगड़ने लगे तथा कुछ समय बाद प्रार्थिनी के साथ अप्राकृतिक सम्बन्ध जैसे गुदा मैथुन करने की कोशिश की। विजय सिंह बहुतबड़ा धोखेबाज और शातिर जालसाज व्यक्ति है। विजय सिंह पर पहले से ही हाई कोर्ट इलाहाबाद में एक मुकदमा दर्ज है। जिसकी जानकारी प्रार्थिनी को बाद में हुई। प्रार्थिनी के साथ हो रहे ऐसे व्यवहार से प्रार्थिनी बिल्कुल टूट गयी। उसके बाद उसने अपने घर वालों को अपनी समस्या बतायी तथा अपनी सह–पुलिसकर्मी को बताने लगी। प्रार्थिनी के परिवार वाले और सह–पुलिसकर्मी ने अपना सहयोग दिया। और उसकी हर प्रकार से सहायता करने का विश्वास दिलाया। और मैं कोई गलत कदम नही उठायी। महिला पुलिसकर्मी की शिकायत पर लखनऊ के थाने में धोखाधड़ी जालसाजी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

शालिग्राम महाराज को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

संवाददाता–अयोध्या। भजनाश्रम कुसमौल कुटी गोरखपुर के बाबा शालिग्राम दास महाराज को संतों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मौका उनके त्रयोदश संस्कार का रहा। जो अयोध्या के रामघाट चरण पादुका स्थित श्रीविचित्र वीर्य हनुमान मंदिर में महंत रामकृष्ण दास महाराज के संयोजन में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। सर्वप्रथम सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी के नागा साधुओं–संतों एवं भक्तगणों ने साकेतवासी बाबा सालिग्राम दास महाराज के चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। उसके बाद संतों ने उनके कृतित्व–व्यक्तित्व का बखान किया। इस मौके पर श्रीविचित्र वीर्य हनुमान मंदिर के महंत रामकृष्ण दास ने कहा कि साकेतवासी बाबा सालिग्राम दास महाराज उनके बड़े गुरू भाई थे। जिनकी अवस्था 98 वर्ष की रही। जो भजनानंदी संत होने के साथ गौ एवं संत सेवी रहे। वह विलक्षण प्रतिभा के धनी संत थे। उनका व्यक्तित्व बड़ा ही उदार था। महंत रामकृष्ण दास महाराज ने पधारे हुए संत–महंतों का स्वागत–सत्कार किया। काफी संख्या में संत–महंत व भक्तगणों ने प्रसाद पाया।

इस अवसर पर निर्वाणी अनी के श्रीमहंत मुरली दास, महंत बलराम दास, पहलवान राजेश दास, पहलवान मनीराम दास, नागा उपेंद्र दास, पुजारी राजन दास, देवव्रत शाही, प्रियव्रत शाही, धर्मव्रत शाही, अनिल सिंह, दीपक, अमित पांडेय, शुभम, भगवान दास, वीरेंद्र, रामवृक्ष आदि संत–महंत और भक्तगण मौजूद रहे।

अतिक्रमण करने वालों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश

संवाददाता–श्रावस्ती। भिनगा नगर में सड़क व पटरियों पर अतिक्रमण को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। डीएम व एसपी ने पूरे नगर का भ्रमण कर अतिक्रमण का जायजा लिया। साथ ही दुकानदारों से खुद अतिक्रमण हटाने की अपील क और न हटाने पर कार्रवाई का निर्देश दिया।नगर पालिका परिषद भिनगा के मुख्य बाजार में सड़क व पटरियों पर अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए जिलाधिकारी कृतिका शर्मा व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने भ्रमण किया। उन्होंने अशोक तिराहे से लेकर मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय भिनगा तक पैदल चलकर अतिक्रमण का जायजा लिया। इस दौरान डीएम ने स्थानीय व्यापारियों व दुकानदारों से संवाद कर अतिक्रमण न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिन दुकानदारों व व्यापारियों की ओर से अतिक्रमण किया गया है। वह खुद ही अतिक्रमण हटा लें। नहीं तो अभियान के दौरान कोई रियायत नहीं बरती जाएगी। अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करते हुए जुर्माना भी वसूल किया जाएगा। डीएम ने कहा कि सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत शासन के निर्देशानुसार कस्बों व बाजारों में अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। एसपी ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार नगर पालिका व नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारियों व पुलिस अधिकारियों की ओर से दुकानदारों व व्यापारियों को पहले से ही आगाह किया गया है। यदि उनकी ओर से अब भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। अवैध अतिक्रमण से वाहनों के आने–जाने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसलिए अवैध अतिक्रमण समाप्त कर लोगों के आवागमन को सुगम बनाया जा रहा है। इस मौके पर एडीएम न्यायिक राम दत्तराम, एसडीएम भिनगा पीयूष जायसवाल, सीओ भिनगा अतुल चौबे, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका भिनगा डा अनीता शुक्ला आदि मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव में 521 बस से मतदान कराने रवाना होंगी पोलिंग पार्टियां

संवाददाता–महराजगंज। लोकसभा चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश पर जिला प्रशासन सभी तैयारी पूरी कर लिया है। इस बार मतदान कराने बूथों पर जाने वाली पोलिंग पार्टियों को ट्रक से नहीं भेजा जाएगा। उनके लिए बस मुहैया कराया जाएगा। सभी पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के लिए 521 बस का अभी से इंतजाम किया गया है। जिले में 237 बस उपलब्ध हैं। शेष 284 बस दूसरे जिले से आएंगी। इसके लिए कमिश्नर के निर्देश पर जिला प्रशासन मांग भेज दिया है। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना मार्च में जारी होगा। निर्वाचन आयोग से जारी शेड्यूल के मुताबिक सभी तैयारियों को मूर्त रूप दिया जाएगा। जिला प्रशासन सभी तैयारियों को पूरी करा चुका है। निर्देश मिलते ही केवल उसका अनुपालन कराना है। इसके लिए अभी से ड्यूटियां लगा दी गई हैं। मतदान कार्मिकों का भी फीडिंग हो चुका है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन हो चुका है। इस बार लोकसभा चुनाव में 19 लाख 88 हजार 274 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। वोटरलिस्ट का संक्षित मतदाता पुनरीक्षण कार्य पूरा हो चुका है। इस बार लोकसभा चुनाव में साठ हजार नए मतदाता बढ़े हैं। खास बात यह है कि वोटलिस्ट में जेंडर रेशियो में वृद्धि देखने को मिली है। एक हजार पुरुष वोटर की तुलना में 897 महिला मतदाता हैं। पहले यह रेशियो 892 का था। मताधिकार के प्रयोग करने में महिलाओं की जागरूकता बढ़ने से यह वृद्धि देखने को मिली है। वोटर लिस्ट में 9 लाख 40 हजार महिलाएं लोकतंत्र का इबारत लिखेंगी। ईपी रेशियो में भी इजाफा देखने को मिला है। इसमें 0.07 फीसदी वृद्धि हुई है। पहले ईपी रेशियो 58.19 फीसदी था। अब यह बढ़ कर 58.90 फीसदी पहुंच गया है। ईपी रेशियो मतदाता व आबादी के बीच अनुपात होता है। यह अनुपात यह दर्शाता है कि एक हजार की संख्या वाले आबादी में कितने लोग मतदाता हैं। लोकसभा चुनाव में शराब व धन की अवैध प्रयोग को रोकने के लिए स्ट्रैटिक सर्विलांस टीम व फ्लाइंग स्क्वाड का गठन किया जा चुका है। स्ट्रैटिक सर्विलांस टीम में तीन–तीन मजिस्ट्रेट होंगे। सदर, पनियरा व फरेंदा विधानसभा में तीन–तीन व इंडो–नेपाल बार्डर से सटे नौतनवा व सिसवा विधानसभा में 5–5 मजिस्ट्रेट तैनात होंगे। फ्लाइंग स्क्वाड भी अवैध शराब व धन की सूचना पर रेंडम छापेमारी करेगी। डॉ. पंकज कुमार वर्मा–एडीएम ने कहा कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन की सभी तैयारी पूरी की जा चुकी है। जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए जा चुके हैं। अगले सप्ताह से सेक्टर मजिस्ट्रेट बूथों की जांच करेंगे। जो कमियां मिलेंगी उसे फौरन दुरुस्त करा लिया जाएगा। मतदान कार्मिकों के लिए सभी विभाग के अध्यक्ष नाम व पदनाम की फीडिंग करा चुके हैं। इस बार एक भी पोलिंग पार्टियां ट्रक से नहीं जाएंगी। उनके लिए बस का इंतजाम कराया जाएगा।

गौशाला में दुरुस्त रखी जाएं सभी व्यवस्थाएं–सीडीओ

संवाददाता–श्रावस्ती। मुख्य विकास अधिकारी ने गौ–आश्रय स्थल गोड़ारी का निरीक्षण किया। गौशाला पहुंचे सीडीओ ने सभी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। साथ ही हमेशा सभी व्यवस्थाएं चुस्त दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह शुक्रवार को विकास खण्ड गिलौला के ग्राम गोड़ारी में स्थित गौ–आश्रय स्थल का आकस्मिक निरीक्षण करने पहुंचे। गौशाला पहुंचे सीडीओ ने चन्नी व भूसा व्यवस्था, पानी व प्रकाश व्यवस्था तथा जल निकासी आदि व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों से गोवंशों के टीकाकरण व ईयर टैगिंग के संबंध में जानकारी ली। साथ ही उन्होंने गौशाला प्रबंधक को निर्देशित किया कि समय से पशुओं का टीकाकरण होता रहे। ताकि पशु बीमार न होने पाए। उन्होंने छाया व प्रकाश व्यवस्था की मुकम्मल व्यवस्था करने का निर्देश दिया। सीडीओ ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि सभी संरक्षित पशुओं की शति प्रतिशत टैगिंग कराया जाय। उन्होंने क्षमता के अनुसार पशु संरक्षित कराने तथा हरे चारे के रूप में नैपियर घास लगवाने व भूसा का स्टोर कराने का निर्देश दिया। इस मौके पर उपजिलाधिकारी कुमार गौरव आदि मौजूद रहे।

किसानों के उत्थान का काम कर रही सरकार –कश्यप

संवाददाता–गोण्डा। भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में देश की जनता के लिए तमाम कल्याणकारी कार्य किए हैं। पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक को लाभान्वित किया है। मोदी सरकार किसानों के कल्याण और उत्थान की दिशा में लगातार प्रयासरत है तथा अपनी योजनाओं और कार्यों के माध्यम से अन्य कई उपलब्धियां भी अर्जित कर रही है। इन सभी योजनाओं और उपलब्धियां को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा किसान मोर्चा ग्राम परिक्रमा यात्रा शुभारंभ कर रहा है। यह बातें शुक्रवार को भाजपा जिला अध्यक्ष अमर किशोर कश्यप ने किसान मोर्चा द्वारा आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही। किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष विद्या भूषण द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि देश में चार प्रमुख वर्ग है गरीब,किसान, युवा और महिलाएं और इन वर्गों का विकास ही समग्र राष्ट्र के विकास का आधार है। उन्होंने बताया कि ग्राम परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ 12 फरवरी को मुजफ्फरनगर से राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा , मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ , एवं भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद राजकुमार चाहर द्वारा किया जाएगा, जिसमें 50000 से अधिक किसान उपस्थित रहेंगे। इस दौरान जिला मीडिया प्रभारी राघवेंद्र ओझा पद्दू भी मौजूद रहे। बालपुर में लाइव प्रसारण का कार्यक्रम रू जिलाध्यक्ष ने बताया कि इस यात्रा का लाइव प्रसारण कार्यक्रम बालपुर बाजार में किया जाएगा। मुख्य अतिथि सांसद कैसरगंज बृजभूषण शरण सिंह, विधायक कटरा बाजार बावन सिंह, प्रदेश कार्य समिति सदस्य किसान मोर्चा संचित सिंह होंगे । कार्यक्रम का संयोजक बालपुर प्रधान एवं किसान मोर्चा जिला महामंत्री धर्मपाल सिंह द्वारा किया जाएगा। इस अभियान के संयोजन की जिम्मेदारी किसान मोर्चा के जिला महामंत्री देवनारायण मिश्रा को दी गई है।

अब तो यहां आना–जाना लगा ही रहेगा, रहूं कहीं भी इमेज 'छोरा गंगा किनारे वाली' की ही रही –अमिताभ बच्चन

संवाददाता–अयोध्या। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने राम की नगरी अयोध्या और यहां के लोगों से अलग ही अपनत्व भरा नाता जोड़ लिया। प्रशंसकों की उमड़ी भीड़ का अभिवादन स्वीकार करते हुए न सिर्फ जयश्रीराम का उद्घोष किया बल्कि बचपन में पिता हरिवंश राय बच्चन से सुनी अवधी कहावत का उल्लेख कर हर किसी का दिल भी जीत लिया। शुक्रवार को अमिताभ अयोध्या में थे। यहां सिविल लाइन में एक ज्वेलरी शोरूम के उदघाटन के अवसर पर उन्होंने अपने चाहने वालों को निराश नहीं किया। उनसे संवाद कर आत्मीयता के साथ मन की बात की। बच्चन ने कहा कि 22 जनवरी को हम रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पावन अवसर पर यहां आए थे, आज फिर आए हैं। ऐसा मेरा मानना है कि अब अयोध्या आना–जाना निरंतर लगा रहेगा।

महानायक ने अपने उत्साहित प्रशंसकों को संबोधित करते हुए कहा कि जब हम कई जगह जाते हैं तो वहां के लोग कहते हैं कि आप तो मुंबई में रहते हैं। यहां आना–जाना नहीं होगा, ऐसे में कैसे आपके साथ ताल्लुक बढ़ाया जाएगा। चूंकि हमारी पैदाइश इलाहाबाद में हुई और उसके बाद हम दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में रहे। अपने बाबू जी (हरिवंश राय बच्चन) का जिक्र करते हुए अमिताभ ने बताया कि वे बचपन में बताते थे कि आपका ताल्लुक उत्तर प्रदेश से है। साथ ही अवधी की एक कहावत हाथी घूमे गांव–गांव जेकर हाथी ओकर नाव सुनाया करते थे। ये सच है कि हम कोलकाता, दिल्ली और मुंबई में रहे लेकिन जहां कहीं भी रहे कहलाए गए 'छोरा गंगा किनारे वाला'।

महानायक अमिताभ बच्चन ने अयोध्या प्रवास के दौरान करीब ढाई घंटे का वक्त कमिश्नर गौरव दयाल के बंगले पर बिताया। यहां पहुंचने पर कमिश्नर ने उनकी अगवानी की। इस दौरान वह कुछ समय बाहर लॉन में धूप में बैठे तो थोड़ा समय अपनी वैनिटी वैन में भी बिताया। काफी समय बंगले के भीतर ड्राइंग रूम में भी रहे। इस दौरान उन्हें दाल–रोटी और पूड़ी–सब्जी के साथ कुछ और पकवान परोसे गए लेकिन उनके विशेष आग्रह पर बनवाई गई साबुदाना की खिचड़ी ही उन्होंने बेहद चाव से खाई। इसी कड़ी में प्रख्यात संगीत अध्येता और अयोध्या राज परिवार के सदस्य यतींद्र मिश्र ने उन्हें गुलजार पर लिखी अपनी पुस्तक भेंट की। आईजी प्रवीण कुमार ने अपनी कविताओं का संकलन दिया। जाते समय अमिताभ कमिश्नर दयाल को मुंबई आने का न्योता भी दे गए, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया।

जर्जर भवन में संचालित स्कूलों को चिन्हित कर करें कायाकल्प

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट अलंकार योजना समिति की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित की गई। बैठक में प्रस्तावित कार्यों को शीघ्र प्रारम्भ कराते हुए समय–सीमा के अन्दर पूरा कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने कहा कि छात्र–छात्राओं के हित को देखते हुए सरकार ने निर्देश दिया है कि जिले में यदि जर्जर भवन संचालित हो रहे है तो उन्हें चिन्हित किया जाए। साथ ही कमेटी का गठन कर अवस्थापना सुविधाएं बढ़ाने के लिए जर्जर भवनों में संचालित राजकीय विद्यालयों का चिन्हांकन कर उन्हें अनुदान प्रदान करने की की कार्यवाही की जाए। जिससे उन विद्यालयों का कायाकल्प हो सके और छात्र–छात्राओं को आधारभूत सुविधाएं मिल सके। जिलाधिकारी ने कमेटी के सदस्यों को निर्देश दिया कि जिले में जो भी राजकीय विद्यालय जर्जर भवन में संचालित हैं उन्हें चिन्हित कर लिया जाय। इसके साथ ही कमेटी में अनुमोदन के बाद अग्रिम कार्यवाही की जाए। डीएम को अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2023–24 में जिले के कुल 26 विद्यालयों के कायाकल्प के लिए चिन्हित किया गया है। प्रस्तावित कार्यों को प्रारम्भ कराने के लिए स्वीकृति धनराशि के सापेक्ष 50 प्रतिशत धनराशि अवमुक्त कर दी गई है।

इसके लिए कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश समाज कल्याण लिमिटेड को नामित किया गया है। इस पर डीएम ने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि प्रस्तावित कार्यों को शीघ्र प्रारम्भ कर समय–सीमा के अन्दर पूरा किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। बैठक में डीआईओएस मिथलेश कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी पीके दास आदि मौजूद रहे।

पंचायत भवन में कैद मवेशियों को गौशाला भेजा

संवाददाता–गोण्डा। ब्लॉक क्षेत्र के करनीपुर गांव में आक्रोशित ग्रामीणों ने छुट्टा मवेशियों को पंचायत भवन में कैद कर दिया था। गुरुवार को इस संबंध अफसरों के आश्वासन के बाद मवेशी पंचायत भवन में ही कैद रहे। डीएम के कड़े निर्देश पर हरकत में आए अफसरों ने शुक्रवार को कैद किए 25 मवेशियों को गो–आश्रय केंद्रों पर भिजवाया। छुट्टा मवेशियों के उत्पात से नाराज ग्राम पंचायत करनीपुर के किसानों ने दो दर्जन से अधिक मवेशियों को पकड़ कर पंचायत भवन में बंद कर दिया था। पंचायत सहायक सोमनाथ तिवारी व प्रधान विनोद कुमार मिश्रा ने सचिव केबी यादव, एपीओ व बीडीओ को पंचायत भवन में छुट्टा मवेशियों को कैद किए जाने की सूचना दी थी। गांव में छुट्टा मवेशी दिन–रात किसानों की गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा रहे थे। इससे आजिज होकर किसानों ने यह कदम उठाया था। गुरुवार को मौके पर पहुंचे बीडीओ प्रदीप कुमार सिंह ने पंचायत भवन में कैद मवेशियों को तत्काल पशु आश्रय स्थल भिजवाने की बात कही थी। वाहन न मिलने की वजह से मवेशियों को पंचायत भवन में कैद रहना पड़ा। प्रधान, सचिव व पंचायत सहायक ने मवेशियों को चारा पानी की व्यवस्था की। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि कई बार छुट्टा मवेशियों को पशु आश्रय स्थल भिजवाने की मांग की गई लेकिन अफसरों ने ध्यान देता उचित नहीं समझा। जब पंचायत भवन में मवेशी कैद किए गए तो अफसर हरकत में आए। बीडीओ प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि नगर पालिका नवाबगंज से वाहन बुलाकर पंचायत भवन में कैद मवेशियों को गो आश्रय केंद्र अनभुला, चंदापुर व ढोढ़ियापारा भिजवाया गया है। उन्होंने बताया कि 25 मवेशी कैद थे। इस दौरान पशु चिकित्साधिकारी डॉ. विजय बहादुर वर्मा, अजय वीर मिश्रा समेत अन्य कर्मचारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

विश्वस्तरीय कंपनी बनाएगी कन्वेंशन सेंटर, तीन कंपनियों में होगा चयन

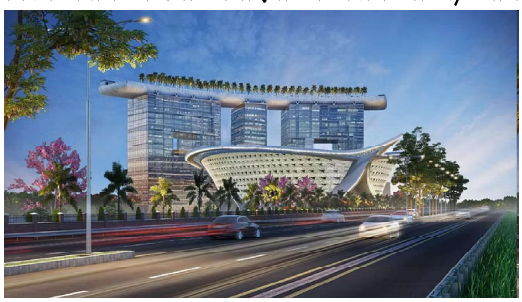

संवाददाता–गोरखपुर। रामगढ़ताल के किनारे प्रस्तावित विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर का निर्माण एवं संचालित करने वाली कंपनी का चयन कर लिया गया है। चंपा देवी पार्क के 25 एकड़ जमीन पर इसका निर्माण सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर किया जाएगा। निर्माण के लिए तकनीकी एवं वित्तीय बोली के आधार पर तीन कंपनियों के बीच से क्वानो एवं जेएमटी रियलटी प्राइवेट लिमिटेड का चयन किया गया है। यह कंपनी तीन वर्ष में निर्माण पूरा करेगी और उसके बाद 33 वर्ष तक संचालन का जिम्मा संभालेगी। चयनित कंपनी को शुक्रवार को कार्य आदेश (वर्क आर्डर) दे दिया जाएगा। प्राधिकरण की ओर से रिक्वेस्ट फार प्रपोजल (आरएफपी) के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। इसमें मुंबई का गरुड़ कंस्ट्रक्शन, गोरखपुर की केके कंस्ट्रक्शन व क्वानो एवं जेएमटी रियलटी प्राइवेट लिमिटेड ने आवेदन किया था। अधिकतम अपफ्रंट डेवलपमेंट प्रीमियम (रिजर्व प्राइस) पर क्वानो एवं जेएमटी रियलटी प्राइवेट लिमिटेड को कन्वेंशन सेंटर को विकसित करने का अधिकार मिला है। जीडीए की ओर से 51 करोड़ रुपये की रिजर्व प्राइस निर्धारित की गई थी।

प्रभारी मुख्य अभियंता किशन सिंह ने बताया कि इस कंपनी ने 51 करोड़ 51 लाख रुपये की बोली लगाई है। कंपनी यह धनराशि जीडीए में जमा करेगी। जीएसटी अलग से देनी होगी। तीन वर्ष में निर्माण पूरा होने के बाद संचालन करते हुए कंपनी हर वर्ष 12 करोड़ रुपये 10 वर्ष तक जीडीए को देगी। कंपनी को कन्वेंशन सेंटर एवं अन्य सुविधाओं के संचालन का अधिकार 33 साल के लिए लीज पर मिलेगा। कन्वेंशन सेंटर निर्माण के बदले फर्म को फाइव स्टार होटल के लिए 6.5 एकड़ जमीन 99 साल की लीज पर दी जाएगी। होटल में न्यूनतम 150 कमरे रखने होंगे। यहां व्यावसायिक उपयोग भी किया जा सकेगा। जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन ने कहा कि विश्व स्तरीय कन्वेंशन सेंटर के निर्माण एवं संचालन के लिए कंपनी का चयन कर लिया गया है। शुक्रवार को कार्य आदेश जारी कर दिया जाएगा। तीन वर्ष में निर्माण पूरा करना होगा। यह कन्वेंशन सेंटर शहर की सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र होगा। इस परियोजना के निर्माण में जीडीए को धनराशि नहीं खर्च करनी होगी।

कंट्रोल रूम से एसपी ने जिले के 15 चौराहों की देखी लाइव गतिविधियां

संवाददाता–महराजगंज। पुलिस कार्यालय के कंट्रोल रूम से एसपी सोमेन्द्र मीना ने जिले के पन्द्रह चौराहों की लाइव गतिविधियां एलईडी स्क्रीन पर देखा। इससे पुलिस कर्मी ड्यूटी पर मुस्तैद नजर आए। 15 चौराहों पर कहीं भी संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर कंट्रोल रूम से फौरन वहां ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को फोन कर आगाह किया जा रहा है। जिले के 15 प्रमुख चौराहों पर पुलिस विभाग द्वारा लगाए गए उच्च क्षमता के सीसीटीवी कैमरे को इंटरनेट के माध्यम से पुलिस कार्यालय के कंट्रोल रूम से जोड़ दिया गया है। इन चौराहों की कंट्रोल रूम से आनाइन निगरानी शुरू हो गई। पुलिस कार्यालय के कंट्रोल रूम में बड़ी स्क्रीन की एलईडी लगाई गई है। इससे कंट्रोल रूम में बैठे–बैठे ही स्पष्ट रूप से दिख रहा है कि चौराहे से कौन–कौन से वाहन गुजरे? लोगों का चेहरा भी स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है। एसपी सोमेन्द्र मीना ने मुजरी, घुघुली के नेबुआ मोड़ तिराहा, सिन्दुरिया चौराहा की आनलाइन लाइव गतिविधियां कंट्रोल रूम में देखा। जिले के परतावल, मुजरी, फरेंदा दक्षिणी बाइपास, नौतनवा का बनैलिया मंदिर चौराहा, ठूठीबारी चौराहा समेत पन्द्रह प्रमुख संवेदनशील चौराहे की सभी गतिविधियों की निगरानी कंट्रोल रूम से महानगरों की तर्ज पर चौबीस घंटे शुरू कर दी गई है। इसके लिए पुलिस कर्मियों की शिफ्टवार ड्यूटी लगाई गई है। इन चौराहों पर दुर्घटना या अन्य घटना की दशा में कंट्रोल रूम से ही फुटेज प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों के दायित्व निर्वहन की जानकारी भी मिलती रहेगी। इससे कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी।

जिले के संवेदनशील 15 चौराहों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरा की लाइव रिकार्डिंग पुलिस कार्यालय के कंट्रोल रूम में सीधे दिखने की खबर मिलते ही वहां तैनात पुलिस कर्मियों में हड़कंप मच गया। पूरा चौराहा सीसीटीवी की जद में आने के बाद ड्यूटी के दौरान पुलिस कर्मी पूरी तरह मुस्तैद दिखे। शिफ्ट खत्म होने के बाद चौराहा से किनारे हटने के बाद राहत की सांस लिए। एक पुलिस कर्मी ने कहा कि अब ड्यूटी बड़ी कठिन हो गई है। आनलाइन का दौर है। हर गतिविधियों पर अब विभाग की खुद नजर है। सोमेन्द्र मीन, एसपी ने कहा कि जिले के 15 चौराहों पर लगाए गए सीसीटीवी फुटेज को पुलिस कार्यालय के कंट्रोल रूम से जोड़ दिया गया है।

जिला चिकित्सालय के ओपीडी के पास का हिस्सा नो साउंड जोन घोषित

संवाददाता–अयोध्या। जिला चिकित्सालय के ओपीडी के पास का हिस्सा नो साउन्ड जोन घोषित कर दिया गया है। इमरजेंसी के पास स्थित पर्चा काउंटर से वाहनों का ओपीडी की तरफ जाना बंद कर दिया गया है। इससे ओपीडी में इलाज के लिए जाने वाले मरीजों को स्टेचर से ले जाने में आसानी होगी। लेकिन वाहनों की संख्या के कारण अस्पताल के दूसरी तरफ दबाव बढ़ गया है। जिला चिकित्सालय में सबसे बड़ी समस्या कार पार्किंग को लेकर है। ब्लड बैंक के अगल बगल तीमारदार अपनी कार पार्क करते है। यहां तीमारदार अपनी मोटरसाईकिलें भी खड़ी करते है। कार की पार्क की वजह से इस जगह पर कई बार दिन में वाहन इस तरह से फंस जाते है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। ओपीडी के पास वाहन न खड़े होने की वजह से तीमारदारों व मरीजों को आवागमन में होने वाली दिक्कतें समाप्त हो गयी है। वाहन पार्क करने के कारण यहां बेवजह लगने वाली भीड़ भी खत्म हो गई है। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डा एनपी गुप्ता ने बताया कि जिला चिकित्सालय में पार्किंग व्यवस्था ठीक कर दी गई है। ब्लड बैंक के सामने होने वाले एम्बुलेंस के पार्किंग की अन्य जगह व्यवस्था की जा रही है। जिससे यहां कार व मोटरसाईकिल खड़ी होने में आने वाली दिक्कतों को दूर किया जा सके। इसके साथ में चिकित्सालय की सफाई व्यवस्था को ठीक करने पर फोकस है। जिला चिकित्सालय में निस्प्रयोज्य सामानों के नीलामी की प्रक्रिया फिर से शुरु की जायेगी। इससे पहले टेक्नोलाजिस्ट की रिपोर्ट लगाये बिना सामानों को निस्प्रयोज्य घोषित करने को लेकर सवाल उठे थे। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डा एनपी गुप्ता ने बताया कि नीलामी की प्रक्रिया फिर से शुरु की जाएगी।

रामनवमी पर एक करोड़ श्रद्धालु आ सकते हैं अयोध्या ट्रस्ट और प्रशासन अभी से जुटे तैयारियों में

संवाददाता–अयोध्या। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही रामनगरी में श्रद्धालुओं का रेला उमड़ रहा है। रोजाना डेढ़ से दो लाख भक्त रामलला के दरबार में हाजिरी लगा रहे हैं। 18 दिनों में करीब 40 लाख भक्त रामलला के दरबार में दर्शन–पूजन कर चुके हैं। भीड़ का क्रम लगातार जारी है। एक अनुमान के मुताबिक रामनवमी में एक करोड़ श्रद्धालु अयोध्या आ सकते हैं। प्रशासन अभी से भीड़ नियंत्रण की योजना पर काम करने लगा है। इसके लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार किए जा रहे हैं। रामनवमी मेला नौ दिनों का होता है। मुख्य पर्व चौत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को रामजन्मोत्सव में रूप में मनाया जाता है। इस बार रामनवमी 17 अप्रैल को मनाई जाएगी। उत्सव की शुरुआत चौत्र नवरात्र के शुभारंभ के साथ हो जाएगी। नौ दिनों तक अयोध्या में कथा, प्रवचन समेत अन्य अनुष्ठानों की धूम रहेगी। पिछले साल रामनवमी के दिन करीब सवा दो लाख भक्तों ने अस्थाई मंदिर में विराजे रामलला के दर्शन किए थे। जबकि अयोध्या में 25 लाख श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी थी। उस समय रामलला का दर्शन मार्ग संकरा था, अस्थायी मंदिर में सुविधाओं का अभाव था, गर्भगृह परिसर की क्षमता भी कम थी लेकिन अब सुविधाओं की भरमार है। 100 फीट चौड़ा राम जन्मभूमि पथ बन गया है। रामलला भव्य महल में विराजमान हो गए हैं। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि रामनवमी में करीब एक करोड़ अयोध्या पहुंच सकते हैं। भीड़ बढ़ने पर क्षीरेश्वरनाथ मंदिर के सामने स्थित राम जन्मभूमि के गेट नंबर तीन से श्रद्धालुओं की निकासी करने का निर्णय लिया गया है। 40 फीट चौड़ा यह यह मार्ग भी बनकर तैयार हो चुका है। पहले इस मार्ग का प्रयोग वीआईपी मूवमेंट के लिए होता था। साथ ही मंदिर परिसर के उत्तर दिशा में भी एक नया रास्ता बनाया जा रहा है। रेलवे स्टेशन से राम जन्मभूमि पथ को जोड़ने के लिए सुग्रीव पथ भी तैयार करने की योजना है।

पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी पर शिकंजा कसा, कुर्की के लिए दो टीमें लखनऊ और महाराजगंज रवाना

संवाददाता–बस्ती। पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी पर अदालती शिकंजा और कस गया है। अदालत में हाजिर नहीं होने पर भगोड़ा घोषित होने के बाद संपत्तियों को कुर्क करने के लिए दो टीमें लखनऊ और महाराजगंज के लिए रवाना हो गई हैं। बहुचर्चित राहुल मद्देशिया अपहरण मामले में फरार पूर्वमंत्री अमरमणि त्रिपाठी पर शिकंजा कस गया है। उनकी सम्पत्तियों को कुर्क करने के लिए पुलिस सक्रिय हो गई है। लखनऊ व महराजगंज की संपत्तियों को कुर्क करने के लिए गुरुवार को दो टीमें रवाना हो गई हैं। एसपी ने कमिश्नरेट लखनऊ और डीएम महराजगंज को 83 की कार्रवाई में सहयोग के लिए पत्र लिखा है। इस मामले कोर्ट में नौ फरवरी को सुनवाई है। एमपी–एमएलए कोर्ट ने अपहरण के केस में फरार आरोपी अमरमणि की संपत्ति की कुर्की के लिए ढाई महीने पहले ही आदेश दिया था।

मामले की विवेचना करने वाली कोतवाली पुलिस ने आरोपी के आवास पर जाकर कुर्की नोटिस चस्पा कर इसकी प्रक्रिया आरंभ कर दी थी। फरार आरोपी के सम्बंध में पुलिस ने अखबारों में इश्तहार भी प्रकाशित करवाया है। एसपी बस्ती ने कुर्की के लिए चल–अचल संपत्तियों के आकलन के लिए पांच टीमें गठित कर उनकी संभावित संपत्तियों वाले ठिकानों गोरखपुर, महराजगंज और लखनऊ में भेजकर संपत्ति का ब्योरा जुटाया था। महराजगंज के नौतनवा में एक मकान और लखनऊ के विक्रांत खंड में 450 वर्गमीटर भूखंड जिसकी कीमत एक करोड़ 18 लाख 80 हजार रुपये आकी गई। सप्तम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एमपी–एमएलए प्रमोद कुमार गिरि की अदालत ने 30 जनवरी 24 की सुनवाई में आदेश किया था कि अमरमणि की सम्पत्तियों का पूरे देश में पता लगाया जाए। फिलहाल पुलिस ने दो जनपदों में मिली संपत्तियों को कुर्क करने की तैयारी शुरु कर दी है।

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा ऋण वितरण न किये जाने पर डीएम ने दिया चेतावनी

संवाददाता–बस्ती। विभिन्न योजनाओं में भारतीय स्टेट बैंक द्वारा ऋण वितरण ना किये जाने पर जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने असंतोष व्यक्त किया है तथा निर्देश दिया है कि एक सप्ताह के भीतर मेरिट के आधार पर स्वीकृत या अस्वीकृत करें अन्यथा उनके विरूद्ध बिजिलेन्स जॉच करायी जायेंगी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैंक एवं विभागों की जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति एवं परामर्श समिति की बैठक में उन्होने कहा कि बैंक का 41.84 प्रतिशत ऋण जमानुपात बेहद कम है तथा अन्तिम त्रैमास में इसमें सुधार लायें।

समीक्षा में उन्होने पाया कि भारतीय स्टेट बैंक में प्रधानमंत्री रोजगार योजना में 34, खादी ग्रामोद्योग के 16, मुख्यमंत्री स्वतः रोजगार योजना में 19, मत्स्य केसीसी के 16, ओडीओपी मार्जिनमनी योजना में 6 ऋण आवेदन पत्र लम्बित है। बैंक का ऋण जमानुपात 35.6 प्रतिशत है। जिलाधिकारी ने इसमें सुधार के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर कार्य करने का निर्देश दिया है।

समीक्षा में उन्होने पाया कि वार्षिक ऋण योजना के अन्तर्गत कुल लक्ष्य रू0 3222 करोड़ के सापेक्ष रू0 2252 करोड़ ऋण वितरित किया गया है। कृषि क्षेत्र में रू0 2324 करोड़ के सापेक्ष रू0 726 करोड़ ऋण वितरण हुआ है, जबकि लघु, मध्यम, सूक्ष्म उद्योग (एमएसएमई) में 471 करोड़ के सापेक्ष 748 करोड़ कुल 158 प्रतिशत ऋण वितरण हुआ है। जिलाधिकारी ने शिक्षा ऋण तथा आवासीय ऋण कम होने पर असंतोष व्यक्त किया है। शिक्षा ऋण रू0 63 करोड़ के सापेक्ष मात्र 3. 25 करोड़ तथा आवासीय ऋण रू0 170 करोड़ के सापेक्ष मात्र 11.89 करोड़ वितरित हुआ है।

जिलाधिकारी के पूछने पर बैकर्स ने बताया कि आवासीय ऋण देने के लिए बस्ती विकास प्राधिकरण से भवन का नक्शा पास होना अनिवार्य है और यहॉ पर शुल्क बहुत ज्यादा होने के कारण लोग नक्शा नही पास कराते है, इसलिए वे ऋण के लिए आवेदन भी नही करते है। जिलाधिकारी/उपाध्यक्ष बस्ती विकास प्राधिकरण ने आश्वस्त किया है कि शुल्क कम करने के लिए बोर्ड की बैठक में उनके द्वारा प्रस्ताव रखा जायेंगा। उन्होने सभी बैंकर्स से अपील किया कि युवाओं की उच्च शिक्षा पूर्ण करने के लिए अधिक से अधिक शिक्षा ऋण वितरित करें।

किसान क्रेडिट कार्ड की समीक्षा करते हुए कृषि एवं मत्स्य पालन के लिए वितरित केसीसी पर उन्होने संतोष व्यक्त किया। केसीसी 45301 नवीनीकरण तथा 36656 नये कुल 81957 कार्ड बनाकर 81.58 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की गयी है। इसी प्रकार मत्स्य पालको के लिए भेजे गये 132 में से 48 केसीसी बनाये गये है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत 21597 के सापेक्ष रू0 215.56 करोड़ स्वीकृत एवं वितरित किया गया है। इसके अन्तर्गत 10 लाख रूपये तक का ऋण शिशु, किशोर एंव तरून को बिना किसी कोलेटरल सिक्योरीटी के प्रदान किया जाता है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि आगामी 12 फरवरी को मुख्य सचिव कप्तानगंज ब्लाक के बढनी मिश्र गॉव में आयेंगे। वहॉ पर बैंकर्स स्टाल लगाकर सभी योजनओं में ऋण वितरण करायें। बैठक का संचालन लीड बैंक मैनेजर आर.एन. मौर्या ने किया। उन्होने कहा कि सभी बैंकर्स अपनी आरसी का मिलान कलेक्ट्रेट स्थित सीआरए अनुभाग से करा लें। बैंको का कुल 22 करोड़ रूपया की आरसी है। इसमें भारतीय रिजर्व बैंक के मार्कण्डेय चतुर्वेदी, डीडीएम नाबार्ड मनीष कुमार, ईओ नगरपालिका सत्येन्द्र सिंह, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, मत्स्य के संदीप कुमार वर्मा, डूडा की सुनीता सिंह, अपर सांख्यिकी अधिकारी जीतेन्द्र गौतम, फसल बीमा के शिवकुमार तथा सभी बैंको के जिला समन्वयक उपस्थित रहें।

हर हर गंगे-जय शिव शंकर के जयकारों के साथ लगाई आस्था की डुबकी

संवाददाता–गोरखपुर। हर हर गंगे–जय शिव शंकर के जयकारों के साथ राप्ती नदी के श्री रामघाट व श्री गोरक्षघाट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान लोगों ने गाय की बछिया को दान कर वैतरणी पार करने की मंगल कामना की। माघ कृष्ण अमावस्या शुक्रवार को लोगों ने परंपरागत रूप से मनाई। जो लोग पवित्र नदियों में जाने में असमर्थ रहे उन्होंने घर पर ही पानी में गंगाजल डालकर स्नान करने के बाद दान किया। माघ मास में गंगा सहित पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व है। वहीं मौनी अमावस्या के दिन मौन रहकर पवित्र नदी में स्नान दान करना बहुत ही शुभ माना गया है। भोर में ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु राप्ती नदी के तट पर पहुंच गए। नदी में स्नान के बाद तिल गुड़, तेल, आंवला, वस्त्र आदि का भी दान किया।

इस दौरान कुछ श्रद्धालु ब्राह्मणों को भोजन करते हुए भी दिखाई दिए। घाट पर परिवार के साथ पहुंचे राम अवतार ने बताया कि इसके पहले कई बार वह प्रयागराज में कल्पवास पर भी एक महीने तक रहे हैं। वहां नहीं जा पाने की स्थिति में अब राप्ती नदी के तट पर हर वर्ष मौनी अमावस्या के दिन स्नान कर ब्राह्मणों को भोजन करते हैं।

पल-पल की गतिविधि पर होगी तीसरी आंख की नजर

संवाददाता–अयोध्या। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित वर्ष 2024 की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षाएं 22 फरवरी से शुरू हो रही हैं। इस बार भी परीक्षा केन्द्रों पर हर गतिविधि पर तीसरी आंख की नजर होगी। परीक्षा की वेबकास्टिंग भी की जाएगी। इसके लिए राजकीय इंटर कॉलेज अयोध्या में मानीटरिंग सेल की स्थापना की गई है। हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा जनपद स्थित विभिन्न 116 परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न होने जा रही है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि प्रत्येक परीक्षा केन्द्र के कमरों में सीसीटीवी कैमरे और वाइस रिकार्डर लगाए गए हैं। सभी परीक्षा केन्द्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया गया है कि सीसीटीवी कैमरों को हर समय तैयार रखें। परीक्षा के समय परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश करते समय ही परीक्षार्थियों की जांच की जाएगी। परीक्षार्थियों को मोबाइल, पेजर, कोई इलेक्ट्रानिक सामान साथ ले जाना वर्जित किया गया है। दोनो पालियों की परीक्षा की वेबकास्टिंग की जाएगी। इसका सीधा प्रसारण होगा जिसे जिला मानीटरिंग सेल से देखा जाएगा। यदि कहीं कोई गड़बड़ी प्रदर्शित होगी तो तत्काल केन्द्र व्यवस्थापक को निर्देशित किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ.राजेश कुमार आर्य ने बताया कि परीक्षा के सुचारू संचालन व प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से जिला विद्यालय निरीक्षक की ओर से राजकीय इण्टर कालेज अयोध्या में स्थापित मानिटरिंगध वेबकास्टिंग सेल के लिए चन्द्र शेखर पटेल, प्रधानाध्यापक, राजकीय हाईस्कूल, कोदनिया को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। परीक्षा प्रारम्भ होने के पूर्व15 फरवरी से सम्पूर्ण परीक्षा अवधि में जनपदीय मानिटरिंग सेल में प्रातरू साढेध छह बजे से सीलिंग पैकिंग समाप्ति तक उपस्थित रहेंगे।

वित्त मंत्री ने यूपीए सरकार के 10 सालों पर पेश किया श्वेत पत्र

नई दिल्ली (आभा)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में यूपीए सरकार के 10 सालों के कार्यकाल पर 'श्वेत पत्र' पेश कर दिया है। इस श्वेत पत्र में 2004 से 2014 तक चली यूपीए सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन के आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा देश पर कर्ज बढ़ाने और आम आदमी के स्वास्थ्य आदि पर खर्च में भी इजाफा होने का दावा इसमें किया गया है। संसद में श्वेत पत्र को पेश किया गया है और अब इस पर बहस होगी। उसके बाद वित्त मंत्री खुद बहस का जवाब देंगी। श्वेत पत्र में यूपीएम के दौर में डिफेंस सेक्टर में भी कमजोरी का दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि यूपीए सरकार के कार्यकाल में रक्षा क्षेत्र की तैयारियां कमजोर थीं।

सबसे अहम बात है कि इस सर्वे में यूपीए सरकार के दौरान 15 घोटाले होने का दावा किया गया है। श्वेत पत्र में जिन घोटालों का जिक्र किया गया है, उनमें टूजी स्कैम और कोल ब्लॉक के आवंटन का घोटाला भी शामिल है। इन दोनों घोटालों की उस दौरान खूब चर्चा हुई थी और अन्ना आंदोलन से लेकर बाबा रामदेव के प्रदर्शन तक में इनका जोरशोर से जिक्र होता था। अब श्वेत पत्र में भी इनका जिक्र किया गया है और यूपीए सरकार के 10 सालों में 15 घोटालों का आरोप लगाया गया है। श्वेत पत्र में नौकरी के बदले जमीन घोटाले को भी शामिल किया गया है, जिसमें लालू यादव और उनके परिवार के खिलाफ जांच चल रही है। यह घोटाले तब होने का दावा किया जाता है, जब लालू यादव रेल मंत्री थे।

श्वेत पत्र में शारदा चिटफंड स्कैम, राष्ट्र मंडल खेल घोटाला, एयरसेल–मैक्सिस और आईएनएक्स मीडिया केस का भी जिक्र किया गया है। गुरुग्राम और पंचकूला में लैंड डील, एंट्रीक्स देवास डील जैसे घोटालों का भी इस श्वेत पत्र में विस्तार से जिक्र हुआ है। बता दें कि लालू यादव और उनके परिवार के खिलाफ जमीन घोटाले के मामले में जांच चल रही है और उनसे कई बार पूछताछ भी की जा चुकी है। तेजस्वी यादव से भी इस मामले में लंबी पूछताछ हो चुकी है। श्वेत पत्र में आदर्श हाउसिंग सोसायटी घोटाला और अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर डील का भी जिक्र हुआ है।

इस श्वेत पत्र में शारदा चिट फंड और नौकरी के बदले जमीन घोटाले का जिक्र करते हुए लालू यादव और ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा है। नौकरी के बदले जमीन घोटाले का जिक्र करते हुए श्वेत पत्र में लिखा गया है, इस मामले में रेलवे के विभिन्न जोनों में ग्रुप डी में नौकरी के बदले में भूमि या संपत्ति हस्तांतरण के रूप में आर्थिक लाभ प्राप्त करना शामिल है। इसकी जांच चल रही है।

यूपी पुलिस भर्ती में सेंधमारीः बागपत और गाजियाबाद से12 गिरफ्तार

लखनऊ (आभा)। यूपी पुलिस कम्प्यूटर ऑपरेटर भर्ती परीक्षा में सेंधमारी करने के मामले में एसटीएफ मेरठ यूनिट को बड़ी सफलता मिली है। एसटीएफ ने सेंधमारी करने वाले गिरोह के 12 लोगों को बागपत और गाजियाबाद से बुधवार को गिरफ्तार किया है। बुधवार रात बुलंदशहर कोतवाली देहात पुलिस ने यूपी पुलिस समेत कई प्रतियोगी परीक्षाओं में पास कराने और फर्जी दस्तावेज बनाने वाले गिरोह के 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। कुल मिलाकर दो गैंग का भंडाफोड़ हुआ और 23 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। यूपी पुलिस में कंप्यूटर ऑपरेटर की ऑनलाइन भर्ती परीक्षा कराई जा रही है, जिसके लिए प्रदेशभर में अलग अलग सेंटर बनाए गए हैं।

यूपी एसटीएफ की मेरठ यूनिट ने इस परीक्षा में सेंधमारी करने वाले गिरोह के 12 सदस्यों को बड़ौत में आवास विकास कॉलोनी और गाजियाबाद में विधान पब्लिक स्कूल दुहाई से गिरफ्तार किया। खुलासा हुआ कि यह गैंग कंप्यूटर लैब के कंप्यूटर को एनी–डेस्क की मदद से हैक करने के बाद नकल कराता था। गिरोह में सीआरपीएफ का एक जवान भी शामिल है, जो फरार बताया गया है। गिरोह एक परीक्षा पास कराने के लिए 5 से 6 लाख रुपये लेता था। इसके लिए एक इंटरनेशनल हैकर को काम दिया गया था, जो फरार है। बड़ौत कोतवाली में आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कराया गया है।

दूसरी ओर, बुलंदशहर में एसपी सिटी शंकर प्रसाद ने गुरुवार को पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता में खुलासा किया कि यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा और कई अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल कराने वाले गैंग का इनपुट मिला था। बुधवार रात जहांगीराबाद बस स्टैंड के पास से गिरोह के 8 सदस्यों और तीन अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों के पास से उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती प्रोन्नति बोर्ड से संबंधित 37 एडमिट कार्ड और सात एप्लीकेशन फार्म की छायाप्रति, 11 मोबाइल फोन, लैपटॉप, थम्ब स्कैनर, 4500 रुपये, दो मुहर, फर्जी आधार कार्ड आदि बरामद हुआ है। सभी पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

हक के लिये सड़कों पर उतरे किसान

नोयडा (आभा)। अपनी मांगों को लेकर उत्तर प्रदेश के किसान गुरुवार को दिल्ली कूच करने की तैयारी की थी। किसान दोपहर में नोएडा के महामाया फ्लाईओवर पर जमा होकर दिल्ली की तरफ बढ़ने का आह्वान किया था। दिल्ली में किसानों के प्रवेश को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने सुबह से ही उत्तर प्रदेश से सटे सभी बॉर्डर खासकर गाजीपुर, अप्सरा और चिल्ला बॉर्डर पर सैकड़ों की संख्या में

पुलिस बल को तैनात कर दिया। इन बॉर्डर पर दिल्ली पुलिस के जवानों के अलावा रेपिड रेपिड एक्शन फोर्स को तैनात किया गया। साथ ही सभी बॉर्डर को बैरिकेड लगाकर सील कर दिया गया। पुलिस ड्रोन से सुरक्षा का जायजा ले रही थी। नोएडा व ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश से किसानों के दिल्ली कूच को लेकर गुरुवार को दिन भर दिल्ली के सभी बॉर्डर पर गहमा–गहमी रही। किसानों को दिल्ली आने से रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने सुबह से ही उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाले गाजीपुर, अप्सरा और चिल्ला बॉर्डर पर मुस्तैदी बढ़ा दी। सभी बॉर्डर को छावनी में तब्दील कर दिया गया।

विधायक अजय सिंह बने विकसित भारत एंबेसडर, पीएम मोदी ने दी बधाई

संवाददाता–बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह ने पूरे देश में विकसित भारत एम्बेसडर में चौथा स्थान प्राप्त किया है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर विकसित भारत अभियान की एंबेसडर रिपोर्ट जारी कर विधायक अजय सिंह को बधाई दिया है। विधायक ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी नेतृत्व का आभार जताया है। प्रधानमंत्री ने दिसंबर में नमो ऐप डाउनलोड कराने और विकसित भारत एंबेसडर बनाने का आह्वान किया था। इसी अभियान के तहत पीएम मोदी की ओर से एक्स पर जारी इस सप्ताह की रैंकिंग में हरैया विधायक अजय सिंह को देश में विकसित भारत एम्बेसडर की टॉप फाइव सूची में शामिल किया गया है इस सप्ताह की रिपोर्ट में विधायक अजय सिंह चौथे स्थान पर रहे। इसको लेकर विधायक अजय सिंह सहित सभी टॉप फाइव विकसित भारत एंबेसडर को

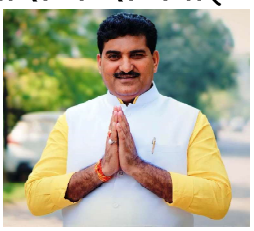

पीएम मोदी ने बधाई दी है। विधायक अजय सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री ने जो मुझे सम्मान दिया है उसके लिए मैं ह्रदय से आभारी हूं। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इस महत्वपूर्ण अभियान में मुझे एंबेसडर चुना गया है मेरे लिए गर्व की बात है। मैं पूरी ईमानदारी से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के अभियान में अपना पूरा योगदान देने का प्रयास करूंगा।

हरैया महिला चिकित्सालय में आउट सोर्सिंग भर्ती में मनमानी का आरोप

संवाददाता–बस्ती। भारतीय किसान यूनियन 'भानु' गुट के मण्डल प्रवक्ता चन्द्रेश प्रताप सिंह ने मण्डलायुक्त को पत्र देकर हरैया में नवनिर्मित 100 शैया युक्त महिला चिकित्सालय में शहरी आजीविका केन्द्र डूडा द्वारा सुचारूरूप से संचालन हेतु आउटसोर्सिंग भर्ती में किये गये अनियमितता एवं भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय जांच कराते हुये दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही और भर्ती प्रक्रिया को निरस्त कर नये सिरे से भर्ती कराये जाने की मांग किया है। मण्डलायुक्त को दिये पत्र में चन्द्रेश प्रताप सिंह ने कहा है कि उनके संज्ञान में लाया गया है कि विशेष सचिव उत्तर प्रदेश शासन चिकित्सा अनुभाग–1 के शासनादेश सं. 1014/5–1–2021–4 (1)/201 दिनांक 29 अक्टूबर 2021 में आउटसोर्स से स्वीकृति पद पर जिलाधिकारी द्वारा दी गयी स्वीकृति दिनांक 21–01–2024 व पत्र संख्या 01/डूडा /सी.एल.सी. / आउ./जी.ई.एम. / 2021–22 दिनांक 04.04.2022 में निहित सेवा शुल्क 4.5 पर दी गई सहमति पत्र सं. 598–1/आउ. चतुर्थ श्रेणी /2023–24 दिनांक 14.12. 2023 में संलग्न व्यय विवरण के अनुसार मानव संसाधन उपलब्ध कराया जाना था। इसमें तकनीकी पद हेतु 10 पद एवं गैर तकनीकी पद हेतु 32 पद सृजित किये गये थे। उक्त भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता का पालन न करते हुये शहरी आजीविका मिशन डूडा के प्रबन्धक एवं मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अनियमितता और मनमानी की गई है।

पत्र में कहा गया है कि उक्त भर्ती प्रक्रिया में जेएएम0 पोर्टल / वेबसाइट पर तकनीकी पद को नही डाला गया। केवल गैर तकनीकी पद को वेबसाइट पर लोड किया गया एवं तकनीकी पद की भर्ती में भारी धन उगाही करते हुए प्रबन्धक आजीविका मिशन डूडा एवं मुख्य चिकित्साधिकारी बस्ती ने गुप–चुप तरीके से कर दिया और वेबसाइट पर तकनीकी 10 पद को न डालते हुए केवल गैर तकनीकी 32 पद को ही डाला गया। उक्त भर्ती प्रक्रिया में भारी भ्रष्टाचार एवं अनियमितता किया गया है। जो सरकार के जीरो टालरेन्स नीति का उल्लघन है।

भारतीय किसान यूनियन 'भानु' गुट के मण्डल प्रवक्ता चन्द्रेश प्रताप सिंह ने उक्त भर्ती प्रक्रिया को निरस्त कर समूचे मामले के उच्च स्तरीय जांच, दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई के साथ ही नये सिरे से पारदर्शी ढंग से नियुक्ति कराये जाने का आग्रह किया है।

अयोध्या में बनने वाली मस्जिद होगी दुनिया में खास

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में 5 एकड़ जमीन पर बनने वाली मस्जिद के लिए मक्का से पवित्र ईंट भारत लाई गई है। इस ईंट को मक्का शरीफ और मदीना शरीफ में आबे जम–जम और इत्र से गुस्ल कराया गया है। इसे 29 फरवरी को मुंबई के एक कार्यक्रम में रखा जाएगा। इसके बाद अजमेर शरीफ ले जाया जाएगा। मस्जिद बनाने का काम ईद के बाद अप्रैल में शुरू होने की उम्मीद है। मस्जिद की खूबसूरती को लेकर चर्चा है कि यह ताजमहल से भी ज्यादा खूबसूरत होगी। असमें एक साथ 9 हजार लोग नमाज अदा कर सकेंगे। मस्जिद की नींवद मक्का से आई पवित्र काली ईंट से रखी जाएगी। यह निर्माण में इस्तेमाल होने वाली पहली ईंट होगी। 12 अक्टूबर, 2023 को ऑल इंडिया राब्ता–ए–मस्जिद के कार्यक्रम में इस पवित्र काली ईंट का अनावरण किया गया था। इसके बाद मस्जिद मोहम्मद बिन अब्दुल्ला डेवलपमेंट कमेटी के चेयरमैन अरफात शेख इसे मक्का लेकर गए थे। मक्का में ईंट को पवित्र जल आबे जम–जम से गुल्स कराया गया, फिर ईंट को मदीना लेकर गए और इत्र से भी गुस्ल कराया। इसके बाद पवित्र ईंट को भारत वापस लाया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अरफात शेख ने बताया कि यह भारत की पहली ऐसी मस्जिद होगी, जिसमें इस्लाम के पांच स्तंभ की पांच मीनार होंगी। इस्लाम के पांच स्तंभ बताए गए हैं, ये तौहीद नमाज, रोजा, जकात और हज हैं। तौहीद का मतलब है एक अल्लाह को मानना और उसकी इबादत करना। दूसरा एक दिन में 5 टाइम नमाज अदा करना। तीसरा साल में एक बार रमजान के महीने में रोजे रखना। चौथा जकात है, जिसका मतलब है कि आर्थिक रूप से संपन्न मुस्लिम सक्षम मुसलमानों को दान करें। पांचवां हज है। आर्थिक और शारीरिक रूप से सक्षम मुसलमानों पर हज फर्ज है। अपनी पूरी जिंदगी में एक बार हज करना मुसलमानों के लिए जरूरी है। अयोध्या में बनने वाली मस्जिद की कुरान दुनिया की सबसे बड़ी कुरान होगी, जो 21 फीट ऊंची और 36 फीट चौड़ी होगी। खास बात यह है कि इसका रंग केसरिया होगा। मुसलमान केसरिया को सूफी संत चिश्ती का रंग मानते हैं।

जमीन विवाद में रिश्वत लेने के मामले में लेखपाल निलंबित

संवाददाता—बलरामपुर। भूमि विवाद निस्तारण के नाम पर 30 हजार रुपए रिश्वत लेने व एक आलाधिकारी के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले लेखपाल को निलंबित कर दिया गया। वायरल वीडियो में लेखपाल पैसा लेते दिखा है। आलाधिकारी पर अमर्यादित टिप्पणी करने की बात साफ सुनाई पड़ रही है। तहसीलदार की प्रारंभिक जांच में वायरल वीडियो का दृश्य सच पाए जाने पर तहसीलदार ने लेखपल को निलंबित किया है। उसे रजिस्ट्रार कार्यालय से संबद्ध किया गया है। मामले की विस्तृत जांच नायब तहसीलदार को सौंपी गई है। प्रकरण तुलसीपुर तहसील के पिपरिहा जमुनी गांव का है। पिपरिहा जमुनी निवासी अनीस अहमद ने बताया कि पैतृक जमीन पर वे लगभग 50 वर्ष से काबिज हैं। जमीन पर अन्य लोगों का नाम दर्ज हो गया है। जिसे ठीक कराने के लिए लेखपाल अमरेश सिंह से सम्पर्क किया। अनीस चाहते थे कि वह एसडीएम न्यायालय में बंटवारा दाखिल करें, लेकिन लेखपाल ने उन्हें रोक दिया। कहा कि बंटवारे का फैसला आने में समय लगेगा। जमीन अनीस के नाम दर्ज होने में उनकी एक रिपोर्ट काफी होगी। अनीस का कहना है कि उसके बदले लेखपाल ने उनसे 40 हजार रुपए मांगे थे। लगभग छह माह पूर्व अनीस ने 30 हजार रुपए लेखपाल को दे दिया था। काम न होने पर रुपए वापस मांगे तो लेखपाल ने इंकार कर दिया। अनीस ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना—पत्र देकर अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। रिश्वत देते समय अनीस ने चुपके से वीडियो बना लिया था। काम न बनने पर उसने कुछ दिन पूर्व वीडियो वायरल कर दिया। इस बीच लेखपाल का ट्रांसफर पचपेड़वा ब्लाक के किसी गांव में हो गया है। वीडियो तुलसीपुर एसडीएम अभय सिंह के हाथ लग गई। उन्होंने वायरल वीडियो का सच जानने के लिए तहसीलदार परमेश कुमार से जांच कराई। एसडीएम के मुताविक लेखपल अमरेन्द्र सिंह प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए हैं। उन्हें बुधवार को निलंबित कर दिया गया। निलंबित अवधि में लेखपाल को रजिस्ट्रार कार्यालय से संबद्ध किया गया है। प्रकरण की विस्तृत जांच नायब तहसीलदार को सौंपी गई।

अधिक मामलों को चिन्ह्ति करें न्यायिक अधिकारी -जिला जज

संवाददाता—देवरिया। जिले में नौ मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए जनपद न्यायधीशः अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया देवेन्द्र सिंह ने सभी न्यायिक मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक की। इसमें उन्होंने सभी न्यायधीशों से लोक अदालत के लिए अधिक से अधिक मामलों को चिह्नत करने को कहा।

जनपद न्यायाधीश ने कहा कि लोक अदालत की मंशा तभी सफल होगी, जब इसमें अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण किया जाय। यह तभी संभव होगा, बक अधिक से अधिक वादों को चिह्नत कर इसमें शामिल किया जाय। सभी सम्बन्धित मामलों में पक्षकारों को नोटिस भेजा जायें तथा संबंधित थानों से नोटिसों को समय के अंदर तामिला कराने हेतु निर्देशित किया जायें।

सचिव/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार दूबे ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 09 मार्च को होना है, जिसमें अन्य वादों के अलावा विशेषतः विशिष्ठ विषय—अपराधिक शमनीय वाद, 138 धारा पराक्रम लिखित अधिनियम, बैंक वसूली वाद, विद्युत एवं जल, पारिवारिक वाद, भूमि अधिग्रहण वाद सर्विस में वेतन एवं भत्ते सम्बन्धित विवाद, राजस्व वाद अन्य सिविल वादों (किराया, सुखाधिकार, व्यायादेश विशिष्ट अनुतोष वाद) आदि के लम्बित मामलें एवं प्री—लिटिगेशन विवादों का भी निस्तारण पक्षकारों के आपसी सुलह समझौते के आधार पर किया जायेगा।

गोरखपुर यूनिवर्सिटी से निकला अब धर्म परिवर्तन का जिन्न, मैथ्स प्रोफेसर पर धर्मान्तरण कराने वाली संस्था से संबंधों का आरोप

संवाददाता—गोरखपुर। शिक्षक ने आरोप लगाया है कि आरोपी प्रोफेसर नियमों को दरकिनार कर छात्र—छात्राओं को यूनिवर्सिटी से कॉलेज और कॉलेज से यूनिवर्सिटी भेजकर अनियमितता फैलाते हैं। उन्होंने बताया कि वह खुलेआम शोधार्थियों को धमकी देते हैं, तुम्हारे सुपरवाइजर का कोई मतलब नहीं है। जब तक मैं नहीं चाहूंगा तुम लोगों को डिग्री नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि वह स्टूडेंट्स को मानसिक तौर पर परेशान करते हैं। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के ऊपर रोजाना नए आरोप लग रहे हैं। अभी यौन उत्पीड़न के आरोपी 2 प्रोफेसर्स ने पूरे शहर में यूनिवर्सिटी की किरकिरी कराई। इसके बाद अब मैथ्स डिपार्टमेंट के प्रोफेसर पर शोध छात्रों को धमकाने और छात्रा को जबरिया अपने कमरे में बैठने का आरोप विभाग के ही एक दूसरे शिक्षक ने लगाया है। साथ ही उन्होंने कूट रचना करते हुए एक अयोग्य व्यक्ति को सुपरवाइजर बनाने और धर्मान्तरण कराने वाली संस्था से संबंधों की बात अपने शिकायती पत्र में लिखी है।

शिक्षक ने आरोप लगाया है कि आरोपी प्रोफेसर नियमों को दरकिनार कर छात्र—छात्राओं को यूनिवर्सिटी से कॉलेज और कॉलेज से यूनिवर्सिटी भेजकर अनियमितता फैलाते हैं। उन्होंने बताया कि वह खुलेआम शोधार्थियों को धमकी देते हैं, तुम्हारे सुपरवाइजर का कोई मतलब नहीं है। जब तक मैं नहीं चाहूंगा तुम लोगों को डिग्री नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि वह स्टूडेंट्स को मानसिक तौर पर परेशान करते हैं।

हालांकि, प्रोफेसर सुधीर श्रीवास्तव ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि मैंने आज तक कोई अनियमितता नहीं बरती है। रिसर्च स्कॉलर के बारे में उन्होंने बताया कि वह एसटीयूपी मेजर प्रोजेक्ट में जेआरए हैं। अप्रैल तक उनका कार्यकाल बचा हुआ है। छात्रा के रिसर्च पेपर के लिए मैं गाइडेंस देता हूं। अगर यूनिवर्सिटी की ओर से कोई पत्राचार होता है तो मैं अपना पक्ष रखूंगा। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता शिक्षक के खिलाफ भी लीगल एक्शन लेंगे।

दरअसल, यूनिवर्सिटी के गणित व सांख्यिकी विभाग के टीचर डॉ. राजेश पाण्डेय ने कार्य परिषद की अध्यक्ष वीसी प्रोफेसर पूनम टंडन को पत्र लिखकर आरोप लगाया, कि विभाग के प्रोफेसर सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने बिना रिसर्च कमेटी की मीटिंग किए और कार्य परिषद के अध्यक्ष को अंधेरे में रखते हुए एक अयोग्य व्यक्ति डॉ. शिबेश कुमार जा पैसिफ को, को—सुपरवाइजर बना दिया। जो किसी संस्थान में काम नहीं करते हैं। उन्होंने अपने शिकायती पत्र में लिखा है कि पैसिफ, उड़ीसा के सागरा संबलपुर में पैसिफ इंसीट्यूट ऑफ कास्मोलॉजी एंड शेल्फोलॉजी बनाकर बड़े पैमाने पर आदिवासी जनजाति के लोगों का धर्मांतरण कर ईसाई बनाते हैं। उन्होंने पैसिफ और प्रोफेसर सुधीर के बीच संबंधों पर सवाल उठाए हैं।

डॉ. राजेश का आरोप है कि उनके सुपरविजन में शोध कर रही एक छात्रा को प्रोफेसर सुधीर जबरिया अपने कमरे में बैठाते हैं। उन्होंने कहा कि एकेडमिक ऑडिट रिपोर्ट में, मैं ही छात्रा का सुपरवाइजर हूं। एचओडी ने भी मुझे ही उसके सुपरविजन का जिम्मा दिया है। लेकिन 31 जनवरी को सिनोपिंसस प्रजेंटेशन में निर्धारित टॉपिक, सुपरवाइजर का नाम नहीं लिखा गया। इस कूट रचना में प्रोफेसर सुधीर की भूमिका संदिग्ध है। डॉ. राजेश ने अपने शिकायत पत्र में विधि विरूद्ध प्रोजेक्ट टॉपिक के सुपरवाइजर को नजरअंदाज करने और जबरन शीर्षक बदलने का आरोप भी लगाया है।डॉ. राजेश का आरोप है कि विभाग में एमएससी गणित के छात्र—छात्रा अगर अपनी सुविधा के अनुसार ऑप्शनल सब्जेक्ट का चुनाव करते हैं, तो प्रो सुधीर उन्हें डरा—धमका कर दूसरे सब्जेक्ट चुनने का दबाव बनाते हैं। इससे विभाग के स्टूडेंट्स पर मानसिक तनाव बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई सारे स्टूडेंट्स निराश होकर दूसरे संस्थानों में जा रहे हैं।

डॉ. राजेश ने कहा कि प्रोफेसर सुधीर विभाग के कई शिक्षकों और शोध छात्रों से अमर्यादित व्यवहार करते हैं। इससे यहां लोग मानसिक दबाव में हैं। उन्होंने वीसी को पत्र लिखकर आरोपी प्रोफेसर पर कार्रवाई की मांग किया है। वीसी प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस लाइंस में सीसीटीवी कैमरों का होगा कंट्रोल रूम, हर गतिविधि पर रहेगी नजर

संवाददाता—गोरखपुर। ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान के तहत शहर से लेकर देहात तक सार्वजनिक जगहों पर लगाए गए सीसी टीवी कैमरों का कंट्रोल रूम पुलिस लाइंस में होगा। इसकी स्थापना के बाद पुलिस एक जगह बैठकर ही पूरे शहर में होने वाले सभी गतिविधियों की निगरानी कर सकेगी। इसके अलावा अगर कहीं पर भी कोई संदिग्ध नजर आएगा तो कंट्रोल रूम तत्काल नजदीक मौजूद पुलिस वाले को इसकी जानकारी देकर जांच भी करा लेगी। वहीं, कैमरों के रखरखाव के लिए गवर्निंग कमेटी ने एक बैंक खाता भी खोल दिया, जिसे नगर निगम, जीडीए और आम लोगों की मदद से चलाया जाएगा। इस फंड में आने वाले रुपयों का इस्तेमाल सीसी टीवी कैमरों के रख—रखाव के लिए किया जाएगा। यह जानकारी एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने एक बैठक के बाद दी। वह बुधवार को पुलिस लाइंस में सीसी टीवी कैमरे के लिए गठित गवर्निंग कमेटी के साथ बैठक की। इस दौरान यह सभी फैसले लिए गए हैं। एसपी सिटी ने बताया कि ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान के तहत पुलिस ने शहर से लेकर देहात तक सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं। इसकी निगरानी के लिए एक कमेटी भी गठित की गई है। कमेटी में एसएसपी, जीडीए उपाध्यक्ष और नगर आयुक्त को संयोजक बनाया गया है।

कैमरा लगवाने में विशेष सहयोग करने वाले व्यापारियों को कमेटी में सह संयोजक बनाया गया है। पुलिस को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि जन सहयोग से कैमरों का रखरखाव करें। दरअसल, एडीजी रहे अखिल कुमार की पहल पर जनसहयोग से शहर की गलियों, मुख्य मार्ग व चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए। इस मुहिम की शुरूआत ऑपरेशन त्रिनेत्र के नाम से की गई थी। इसका असर है कि शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक में सीसीटीवी कैमरे लग गए हैं। पुलिस इसकी मदद से वारदात का पर्दाफाश भी कर रही है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि सुरक्षा व अपराध नियंत्रण के लिए सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने का अभियान ऑपरेशन त्रिनेत्र चलाया जा रहा है। इसको प्रभावशाली व जनोपयोगी बनाए रखना सबकी जिम्मेदारी है। इस अभियान की मॉनिटरिंग के लिए गवर्निंग कमेटी गठित है। जो इस पर नजर रखेगी और हर तीन महीने पर कैमरों की स्थिति की समीक्षा करने के बाद जरूरत के मुताबिक मरम्मत कराएगी। इसे लेकर अब खाता खुलवा दिया गया है। शहर के तकरीबन सभी प्रवेश मार्ग पर सीसी टीवी कैमरे लगवा दिए गए हैं।

सभी थानों में गठित की गई दंगा रोधी टीम, दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता—श्रावस्ती। बलवा व दंगों से निपटने के लिए पुलिस पूरी तैयारी कर रही है। अब सभी थानों में एक टीम 24 घंटे तैयार रहेगी और सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच जाएगी। इसके लिए सभी थानों में क्विक रिस्पांस टीम का गठन किया गया है। टीम के लोगों को पुलिस लाइन में प्रशिक्षण भी शुरू कर दिया गया है। ज्ञानवापी मामला और उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता को लेकर प्रदेश का माहौल खराब करने के इनपुट के बाद प्रदेश सरकार ने पुलिस विभाग को सतर्क कर दिया है। इस पर किसी भी चुनौती से निपटने के लिए सभी थानों में दंगा रोधी टीम का गठन किया गया है। पुलिस थानों में सात पुलिस कर्मियों की टीम 24 घंटे तैयार रहेगी और सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच कर दंगा रोकेगी। क्विक रिस्पांस टीम यानी क्यूआरटी के सिपाहियों को दंगा रोकने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। गुरुवार को पुलिस लाइन में टीम के सिपाहियों को दंगा और बलवा रोकने का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान अलग अलग टीम के सिपाही मौजूद रहे। जिसमें एलआईयू, नागरिक पुलिस, घुड़सवार, फायर सर्विस, आंसू गैस, लाठी टीम, रिजर्व पार्टी, प्राथमिक उपचार पार्टी और वीडियोग्राफी पार्टी के जवान शामिल रहे। एसपी घनश्याम चौरसिया ने बताया कि सभी थानों में टीम अलर्ट मोड में 24 घंटे तैनात रहेगी। सूचना मिलते ही जवान गाड़ी से मौके पर पहुंच जाएंगे। गुरुवार को आयोजित प्रशिक्षण में एसपी, एएसपी प्रवीण कुमार यादव, सभी सीओ तथा 250 सिपाही शामिल हुए। हरदत्त नगर गिरंट थाने में गुरुवार को थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्निहोत्री ने पुलिसकर्मियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने क्यूआरटी टीम का गठन कर क्षेत्र के सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि परिक्षेत्र में हर वक्त यह टीम तैयार होकर हाई एलर्ट रहेगी। दंगाईयों व अराजक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाएगी।

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84

साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

स्वत्वाधिकारी भारतीय बस्ती प्रकाशन की ओर से प्रकाशक एवं सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय द्वारा 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से प्रकाशित और मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित।

सम्पादक—दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—दिलीप चन्द्र पाण्डेय

मो.०६४५०५६७४५०

Email- Awazdarpan@yahoo.com